डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 69 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 21 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

जेसीबी के रुपयों के लेनदेन की बात पर...

टामी से हमलाकर हत्या का प्रयास करने वाले को पुलिस ने दबोचा, जैल भेजा

भानपुरा, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जेसीबी के रूपयो के लेनदेन की बात पर बीती 14 दिसंबर को लोहे की टामी से सिर पर वार कर हत्या का प्रयास करने के आरोपी को पुलिस ने दबोचा है। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे गरोठ उपजैल भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार किशोर पिता बालचंद मेघवाल उम्र 26 साल निवासी अरन्याचारण थाना भानपुरा जिला मन्दसौर ने बताया कि नरेन्द्रसिंह सौधिया निवासी हरनावदा की जेसीबी चलाता हू। पहले नरेन्द्र की जेसीबी सुरेश भट्ट के यहा चली थी। जिसके 60 हजार रूपए नरेन्द्रसिंह सुरेश मांगता है। उसी बात को लेकर हिंगलाज रिसोर्ट के समीप काका आटोपार्ट्स की दुकान के सामने आम रोड पर नरेन्द्रसिंह ने सुरेश भट्ट से जेसीबी चलाने की मजदूरी के 60 हजार रूपये मांगे तो सुरेश भट्ट ने नरेन्द्रसिंह के साथ अश्लील गाली गलौच की। नरेन्द्रसिंह ने सुरेश भट्टको गालिया देने से मना किया तो सुरेश भट्ट जान से मारने की नियत से पास मे रखी लोहे की टामी लेकर आया और नरेन्द्रसिंह के सिर मे मार दी। जिससे नरेन्द्रसिंह के सिर से खून बहने लगा। सूचना पर थाना भानपुरा पर अपराध धारा 115, 296, 351(2), 109 बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया।

अपराध की गम्भीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक रमेशचन्द्र दांगी द्वारा तुरन्त विशेष टीम बनाई गई। विवेचना के दोरान मुखबीर सूचना के आधार पर आरोपी सुरेश कुमार पिता बाबुलाल भट्टउम्र 39 साल निवासी आमझर को गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त आलाजरब एक लोहे के सरिया को विधिवत पंचान के समक्ष जप्त किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे उपजैल गरोठ भेज दिया गया है। प्रकरण मे अग्रीम कार्यवाही जारी है।

बीते पांच दिनों में पारा 4 डिग्री बढ़ा

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बीते पांच दिनों में शहर सहित अंचल में सर्दी से राहत मिली है। इस दौरान तापमान 4 डिग्री तक बढ़ा है। मौसम जानकारों के मुताबिक अगले 4-5 दिन अभी और ठंड से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, 25 दिसंबर से फिर तापमान नीचे गिरने का अनुमान है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया है।

एंबुलेंस माफियाओं का ससुराल बना बड़ा अस्पताल..!

प्रबंधन और पुलिस चौकी जानबूझकर बन रही धृतराष्ट्र

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कुछ समय पहले यातायात पुलिस ने कार्रवाई कर करीब डेढ़ दर्जन एंबुलेंस जब्त की थी। लंबे समय तक एंबुलेंस थानों में खड़ी रही। इस दौरान एंबुलेंस माफियाओं में प्रशासन का खौफ देखा गया। लेकिन, एक बार फिर बड़े अस्पताल में एंबुलेंस माफियाओं का राज देखा जा सकता है। स्थिति यह है कि बड़े अस्पताल में एंबुलेंस माफियाओं के एजेंट मंडराते नजर आ सकते हैं। न बड़ा अस्पताल प्रबंधन की और न पुलिस चौकी की नजर इन पर पड़ रही है। इधर मरीजों के दर्द पर कमाई का जुगाड़ किया जा रहा है। कमीशन और मिलीभगत के खेल में कहीं न कहीं अस्पताल प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी भी सवालों के घेरे में है।

कमीशन व मिलीभगत का खेल, मरीजों के दर्द के बीच कमाई का जुगाड़

मिलीभगत व कमीशन का खेल...

अस्पताल में घायल के पहुंचने और इमरजेंसी में उपचार शुरु होने से पहले निजी एम्बुलेंस के चालक पहुंच जाते है। इसके लिए अस्पताल से ही कर्मचारियों व अन्य लोग जो एम्बुलेंस चालको के साथ मिलीभगत में शामिल है, वे सूचना दे देते हैं। फिर उदयपुर हो या अन्य किसी भी शहर के लिए रेफर किया हो। लेकिन, एम्बुलेंस चालक वहीं लेकर जाता है, जहां पर उसे ले जाना हो। उदयपुर तक पहुंचने से पहले ही मरीज व उसके परिजन को उसके पसंदीदा निजी अस्पताल के बारें में महिमा मंडित कर सीधे एम्बुलेंस वहीं जाकर रोकते है जहां उन्हें लेकर जाना होता है। शहर में चलने वाली निजी एम्बुलेंस चालकों के बड़े शहरों में निजी नर्सिगहोम व अस्पतालों से सीधा संबंध है। ऐसे में मरीज को लेकर वहीं पहुंचते हैं, जहां से उनके आर्थिक हित जुड़े होते हैं। इस तरह एम्बुलेंस माफिया के इस सिस्टम में बड़े शहरों से लेकर स्थानीय स्तर तक मिलीभगत व कमीशन का पूरा सिस्टम बना हुआ है।

जगह तय कर लगाई थी धारा 144...

कोविड काल के दौरान तत्तकालीन प्रशासन ने एम्बुलेंस को लेकर बढ़ती मनमानी के मामले में सख्ती करते हुए एम्बुलेंस पर धारा 144 लागू करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए थे। इसके साथ ही बीपीएल चौराहा के समीप अघोषित टैक्सी स्टैंड वाली जमीन पर एम्बुलेंस के खड़ी रखने के लिए जगह भी तय की थी और इसके लिए सिस्टम डेवलप किया था। एम्बुलेंस की जरुरत होने पर अस्पताल से फोन आने पर ही अस्पताल परिसर में जाने का नियम था। लेकिन, यह कुछ दिन भी नहीं चल पाया और एम्बुलेंस माफिया फिर से अस्पताल के आसपास ही मंडराने लगे। न इन वाहनों में यात्री सुरक्षा के लिए नियमों का पालन होता है और न ही चालक के लाइसेंस तक की कभी जांच होती है। मनमर्जी की रफ्तार से मरीजों को लेकर यह निजी एम्बुलेंस दौड़ रही है।

मनमर्जी के दाम...

बड़ा अस्पताल हो या फिर शहर का कोई अन्य निजी नर्सिग होम। कही से भी मरीज को इंदौर, उदयपुर, अहमदाबाद या अन्य किसी शहर के लिए रेफर किया गया हो या मरीज को अन्य कहीं लेकर जाना हो, किसी भी शहर के लिए दरें निर्धारित नहीं है। मरीज से मनमाना दाम यह एम्बुलेंस चालक वसूलते है और मरीज को लेकरयहां से जाने के बाद दाम बताते है। घायल को लेकर जाने वाले परिजन मजबुरी में मनमाना दाम देते है और कोई दाम कम करने की कोशिश भी करता है तो रास्ते में ही रोककर विवाद करने पर आमादा हो जाते है। अस्पताल में एम्बुलेंस को लेकर कोई दरों को लेकर बोर्ड भी चस्पा नहीं है और न ही कोई दरें तय है। इसी का यह लाभ उठा रहे है।

सरपट दौड़ रही 50 से अधिक एम्बुलेंस...

बड़े अस्पताल के बाहर हो या नईआबादी से लेकर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित हो रहे निजी नर्सिग होम हो। इनके बाहर निजी एम्बुलेंस आसानी से हर समय दिख रही है। शहर में 50 से अधिक निजी एम्बुलेंस सरपट दौड़ रही है। इनमें कुछ तो राजस्थान की ही है। कहा तो यह भी जाता है कि उदयपुर जैसे बड़े शहरों में निजी नर्सिगहोम संचालक निजी वाहन फायनेंस कराकर इसे एम्बुलेंस का रूप देकर सौंप देते हैं। ऐसे में यहां से इन्हें मरीज को लेकर उन्हीं के वहां ले जाना होता है, जिन्होंने वाहन दिलवाया है।

कई पुलिस वाले इधर से उधर

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने कई पुलिस वालो को इधर से उधर किया है। इनमें एएसआई, प्रधान आरक्षक और आरक्षक शामिल है।

जारी आदेश के अनुसार एएसआई मोहम्मद युसूफ मंसूरी को पुलिस लाईन से कचनारा चौकी, प्रआ शैलेंद्र हाडा को दलौदा से पुलिस लाईन, प्रफुल्ल सिसौदिया को दलौदा से पुलिस लाईन, गोपालसिंह झाला को दलौदा से पुलिस लाईन भेजा गया है। इसी तरह से आरक्षक कन्हैयालाल गुर्जर को नारायणगढ थाने से पुलिस लाईन, कानसिहं देवड़ा को अफजलपुर थाने से पुलिस लाईन, विजय सिंह को सीतामऊ थाने से पुलिस लाईन, कमलपाल सिंह को सीतामऊ थाने से पुलिस लाईन, बहादुर भूरिया को पुलिस लाईन से भानपुरा थाना, लखन धनगर को पुलिस लाईन से सीतामऊ थाना, महिला आरक्षक माया मालवीय को पूर्व में जारी आदेश को निरस्त करते हुए पुनः पुलिस लाईन, अनिल यादव को पुलिस लाईन से सुवासरा थाना, विशालसिंह को पुलिस लाईन से सुवासरा थाना, राहुल गुर्जर को गरोठ से झार्डा चौकी और मनीष कुमार को पुलिस लाईन से शामगढ थाने पर भेजा गया है।

दो लोगों के हत्यारे तस्कर कमल राणा को दोहरे आजीवन कारावास की सजा, जुर्माना भी लगाया

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा के वैध-अवैध व्यापार में रंजिश को लेकर निंबाहेड़ा के हाजी बंधुओ के हत्यारे कमल राणा को न्यायालय ने दोहरे आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। पूर्व में वह फरार चल रहा था, इसलिए न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। राजस्थान पुलिस की क्राईम ब्रांच ने उसे दबोच लिया था। उसके बाद से वीडियो कांफ्रेंसिंग में सुनवाई चल रही थी।

बता दें कि 13 मार्च 2014 को संजीत मंदसौर रोड पर रणायरा-काचरिया कदमाला के बीच डोडाचूरा ठेका व्यवसाय में रंजिश को लेकर आरोपी कमल राणा पिता डुंगरसिंह राणा निवासी बम्बोरी थाना रठाजना जिला प्रतापगढ व अन्य साथी बाबु खां, हबीब खां, जाकिर खां, रईस खां, राजु खां, मोहसीन खां, फिरोज खां, वसीम खां, शाहिद खां के साथ मिलकर हाजी मोहम्मद हुसैन पिता छोटे खां उर्फ सरदार खां एवं मुजीब खां पिता छोटे खां निवासी निम्बाहेड़ा की योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर दी थी। कमल राणा गैंग की मांग थी कि उन्हें डोडाचूरा के व्यापार मे फ्री मे पार्टनरशीप दी जाए। हाजी बंधुओ द्वारा उनकी बात नहीं माने जाने पर षड़यंत्र रचकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में ड्रायवर रमेश पिता कृष्णकांत मिश्रा निवासी निम्बाहेड़ा व शक्कामल को भी घायल कर दिया था। जिस पर से थाना नारायणगढ पर अपराध धारा 302, 307, 120 बी, 34 भादवि व 25, 27 ऑर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया जाकर आरोपियों के विरुद्ध चालान न्यायालय पेश किया गया था। जो माननीय सप्तम अपर सत्र न्यायालय मंदसौर ने विचाराधीन था।

इनको हो चुकी है पहले सजा...

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनन्द के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी व अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ श्री नरेन्द्र सोलंकी के मार्गदर्शन में प्रकरण को चिन्हित कर समय -समय पर मानिटरिंग जिला एंव शासन स्तर पर की जाकर न्यायालय मे साक्षियों को उपस्थित किया गया। न्यायालय द्वारा पूर्व में उक्त प्रकरण के आरोपी रईस पिता बाबू खा पठान उम्र 20 साल नि. बिल्लोद थाना नाहरगढ, हबीब लाला पिता अकरम पठान उम्र 33 साल नि. मेघदूत नगर मन्दसौर, बाबू खां बिल्लोद पिता फकीर मोहम्मद नि. बिल्लोद, जाकिर पिता खाजु मोहम्मद मंसुरी उम्र 48 साल नि. पावटी थाना गरोठ जिला मंदसौर, राजु पिता बाबु खां आडवाणी उम्र 38 साल नि. बिल्लोद थाना नाहरगढ, वसीम खान लाला पिता पीरषेद खां पठान मुस. नि. अखेपुर थाना व जिला प्रतापगढ़, फिरोज खान लाला पिता पीरषेद खां पठान मुस. निवासी सदर, मोहसिन खान लाला पिता बदरू जमान खान पठान निवासी निवासी अखेपुर, शाहिद पिता बाबू बिल्लोद नि. बिल्लौद थाना नाहरगढ जिला मन्दसौर, इंतखाब आलम उर्फ मौलाना पिता पीरषेद खां पठान मुस. नि. अखेपुर थाना/जिला प्रतापगढ (राज.) को आजीवन कारावास से दण्डित किया गया था।

6 मार्च से शुरू होगी छोटी कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं, पहली और दूसरी के छात्रों का मौखिक मूल्यांकन

भोपाल, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की तीसरी, चौथी, छठी और सातवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा छह मार्च से आयोजित की जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसकी समय-सारिणी घोषित कर दिया है। तीसरी व चौथी कक्षा की परीक्षाएं छह से 11 मार्च तक और छठी व सातवीं की परीक्षाएं छह से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इस समय सारिणी के अनुसार परीक्षाओं की समय अवधि ढाई घंटे की रहेगी। परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगी। छह से 12 मार्च के बीच स्थानीय अवकाश होने पर भी ये परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

पहली व दूसरी कक्षा की नहीं होगी परीक्षा–सभी सरकारी स्कूलों में पहली व दूसरी कक्षा में परीक्षा नहीं ली जाएगी। इनका आकलन अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही गतिविधि आधारित व मौखिक मूल्यांकन होगा। इसमें हिंदी, अंग्रेजी व गणित विषय में सीखने की क्षमता के स्तर का परीक्षण होगा।

तीन भाषाएं जरूरी, सावधानी रखने को कहा–प्राचार्यों से कहा गया है कि परीक्षा का आवेदन पत्र भरते समय भाषा चयन को लेकर... शेष पेज 4 पर

शामगढ़ कृषि उपज मंडी में एलान...

किसान प्याज नहीं लाएं, ज्यादा आवक की वजह से नीलामी में हो रही देरी, गरोठ मंडी भी हुई शुरू

गरोठ, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ के शामगढ़ कृषि उपज मंडी में इन दिनों प्याज की बंपर आवक हो रही है। हालत ये है कि मंडी प्रशासन को किसानों को प्याज नहीं लेकर आने के लिए कहा जा रहा है। इसके लिए एलान भी कराया जा रहा है। कारण- ज्यादा आवक के कारण नीलामी में देरी हो रही है।

वहीं, दूसरी ओर गरोठ कृषि उपज मंडी में पहले प्याज की नीलामी नहीं होती थी, अब यहां भी प्याज की नीलामी की शुरूआत की गई है। जिससे क्षेत्र के किसानों को राहत मिल रही है। भाव की बात करें, तो गरोठ कृषि उपज मंडी में 1100 से 2200 रुपए प्रति क्विंटल प्याज बिक रहा है। वहीं शामगढ़ कृषि उपज मंडी में 1000 से 3000 तक के भाव प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रहा है। बरखेडा लोया और गरोठ के किसान बताते हैं कि शामगढ़ मंडी में प्याज नीलामी में देरी से परेशान हैं। प्याज की ज्यादा आवक से भाव में भी उतार आ रहा है, जिससे फसल जल्द बेचने में किसान लगे हैं। शामगढ़ कृषि मंडी सचिव आनंद सिंह ठाकुर बताते हैं कि मंडी में आवक अत्यधिक हो रही है। मंडी में 5000 से 7000 कट्टेही नीलाम हो सकते हैं। लेकिन प्रतिदिन 20 हजार कट्टे की आवक हो रही है, जिससे नीलामी नहीं हो पा रही। एक दिन में चार दिनों का

प्याज मंडी में आ रहा है। इस कारण नए ट्रैक्टर को मंडी में आने से रोका गया है। यह प्रोसेस चार दिन के लिए है। गरोठ कृषि मंडी के लिपिक संजय सोनी ने बताया कि गरोठ मे प्याज खरीदी गुरुवार से शुरू कर दी गई है। पहले ही दिन दो टन प्याज आया था।

ट्रंप के डॉलर के मुकाबले मोदी का रुपया 85 पार हो गया...

मंदसौर/उज्जैन, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी देश की मुद्रा का पैमाना डॉलर के मुकाबले तय किया जाता है। वर्तमान में यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी की मुट्ठी से रेत की तरह भारतीय रुपए की कीमत गिरते जा रही है। अभी अगर 85.4 रुपए है तो 8-10 घंटे बाद और अधिक भी हो सकती है। इसी गति के कारण जानकारो में खौफ का वातावरण बन गया है। सिर्फ रुपया ही नहीं भारत की साख भी लगातार किसी न किसी कारण घटती जा रही है। हाल ही में स्विट्जरलैंड ने भारत को अपनी मोस्ट फेवर नेशन की लिस्ट से बाहर कर दिया है। इसका बड़ा नुकसान वहां व्यापार करने वाले भारतीय व्यापारियों को होगा। क्योंकि, टैक्स में राहत मिलना बिल्कुल बंद हो जाएगा।

पहले बात रुपए की कर लें, जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तब भारत के 58 रूपयो के बराबर एक डॉलर कीमत हुआ करती थी और आज 85. 4 रूपए हो चुकी है। नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल में रूपया डॉलर के मुकाबले 27 रुपए नीचे गिरा है। जबकि, मनमोहन के 10 साल में मात्र 17 रुपए गिरा था। जानकारों का कहना है कि अगर डॉलर की कीमत मनमोहन सिंह के कार्यकाल वाली आज भी स्थिर होती तो भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन के आसपास होती। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू उत्पाद की ग्रोथ भी 10 प्रतिशत होना चाहिए, जो नहीं है। जबकि, यही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित हो जाने के बाद सार्वजनिक भाषणों में कहा करते थे कि जब बांग्लादेश, पाकिस्तान का रुपया डॉलर के मुकाबले ऊपर नहीं जा रहा है। तब भारत का रुपया 58 तक कैसे पहुंचता है। अगर अर्थव्यवस्था पर मनमोहन सरकार ध्यान देती तो डॉलर की कीमत 38 रुपए रहती। यह प्रधानमंत्री बनने के पहले के मोदी के आरोप थे। बनने के बाद 10 सालों में डॉलर के मुकाबले रुपए का आंकड़ा 85 से अधिक हो गया है।

चन्द्रमोहन भगत

दूसरी तरफ सकेलु घरेलू उत्पाद का आंकड़ा भी गिर रहा है। व्यापार जगत में तो यह चर्चा भी आम है की जीडीपी नापने का मापदंड ही बदल दिया गया है। बीते एक दशक से हमारे देश में आयात लगातार बढ़ रहा है। जबकि, निर्यात घट रहा है। स्वाभाविक है की आयात हो रहे सामान की कीमत हमें डॉलर में चुकाना पड़ती है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अगर हमारा निर्यात बढता रहे तो अर्थव्यवस्था संतुलित बनी रहेगी। ऐसा, सभी देशों के साथ है। क्योंकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा डॉलर को ही माना जाता है। रही बात विदेश में भारतीय प्रतिष्ठा की तो स्विटजरलैंड की कार्रवाई के पहले केन्या और अमेरिका ने भारतीय उद्योगपति अडानी की कंपनी पर दंडात्मक कार्रवाई कर डाली है। अब ट्रंप ने सार्वजनिक ऐलान किया है कि भारत हमारे कुछ उत्पादों पर 200 से 300 प्रतिशत टैक्स लेता है, वह कम करना होगा। वरना, हम भी इतना ही टैक्स भारतीय उत्पादों पर लगाएंगे। साल 2023 में भारत ने अमेरिका से निर्यात और अन्य सेवाएं देने के बदले 120.1 बिलियन डॉलर का व्यवसाय किया था। 2024 के पहले 6 महीना में 72 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ है। स्पष्ट है कि अमेरिका ने टैक्स बढाया तो व्यवसाय आधा रह जाएगा और रुपया और गिर जाएगा। बीते एक दशक से भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार घटती जा रही है। जबकि, इससे भारत को डॉलर की खासी आय होती थी। 2019 में 1.10 करोड़ टूरिस्ट आए थे। 2024 में 90 लाख तक आए हैं। ट्रैवल इंडेक्स में भारत 119 देश में 39 नंबर पर है। जबकि, वियतनाम, श्रीलंका, मालदीव, सिंगापुर, फिलिपींस, कनाडा, यूके, अमेरिका जाना लोग ज्यादा पसंद करते हैं। भारत को अब टूरिस्ट शांत राष्ट्र नहीं मानते हैं। जबकि, प्रति पर्यटक यात्री से 2.7 रुपए की आय होती थी। अत: पर्यटकों के घटने से भारत में आने वाले डॉलर भी घटेंगे। कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय और नीति दोनों की तरफ से भारत को डॉलर की मार पड़ रही है और रुपया लगातार गिरता जा रहा है।

विचार-मंथन

श्रीलंका ने चीन की बजाय भारत को चुना

पड़ोसी के रूप में भारत और श्रीलंका के बीच केवल कूटनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आपसी सहयोग के स्तर पर भी संबंधों की एक मजबूत कड़ी रही है। मगर पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक तस्वीर में श्रीलंका में चीन के प्रभाव का विस्तार होता दिखा है। हाल ही में जब वहां के संसदीय चुनाव में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जीत मिली तो इस धारणा को और बल मिला कि अब शायद चीन को वहां अपने पांव और फैलाने का मौका मिलेगा। मगर सत्ता में आने के बाद अब जिस तरह दिसानायके ने अपने विदेश दौरे के लिए सबसे पहले भारत को चुना, उससे कई संकेत उभरते हैं। यों भी कोई देश कूटनीतिक स्तर पर भले ही दुनिया भर में अपने संपर्कों का विस्तार करे, लेकिन बहुत कुछ इस पर भी निर्भर करता है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ उसके संबंध कैसे हैं। इस लिहाज से श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के भारत दौरे की अपनी अहमियत है। दरअसल, करीब दो वर्ष पहले जब श्रीलंका घोर आर्थिक संकट से जूझ रहा था और वहां अराजकता जैसे हालात पैदा हुए, तब भी भारत ने उस स्थिति से उबरने में अपनी ओर से हर स्तर पर सहयोग किया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस सहयोग को याद करते हुए एक तरह से भारत के प्रति आभार जताया और साफ शब्दों में यह आश्वासन दिया कि वे अपने देश की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे। यह भारत के लिए एक राहत भरा संदेश है, क्योंकि सीमापार के इलाकों में स्थित ठिकानों से संचालित आतंकी गतिविधियों का दंश भारत ने लंबे समय से झेला है। इसके अलावा, भारत और श्रीलंका ने अपनी साझेदारी को विस्तार देने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए रक्षा सौदे को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया और बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करके ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का भी फैसला लिया है। आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी के साथ ही साइबर सुरक्षा के लिए नए मोर्चे पर काम करने के साथ-साथ आतंकवाद, तस्करी और संगठित अपराधों के खिलाफ साझा लड़ाई के लिए भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। कहा जा सकता है कि एक विकट दौर से निकल कर श्रीलंका अब अपनी स्थिति में सुधार के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। इस क्रम में भारत के साथ संबंधों के नए अध्याय से भविष्य को लेकर बेहतर उम्मीदें पैदा होती हैं। गौरतलब है कि अनुरा कुमार दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के सबसे अहम नेता रहे हैं और उन्होंने वामपंथी दलों के गठबंधन नेशनल पीपल्स पावर यानी एनपीपी के तहत चुनाव लड़ा था। एनपीपी का भारत विरोधी रुख छिपा नहीं रहा है। इसलिए यह आशंका स्वाभाविक थी कि दिसानायके के सत्ता में पांव मजबूत होने के बाद क्या श्रीलंका की नीति बदलेगी और उसके कदम चीन की ओर बढ़ेंगे! मगर यह भी तथ्य है कि विदेश नीति के मामले में श्रीलंका अब तक गुटनिरपेक्षता की राह पर चलता आया है। आमतौर पर किसी देश की सत्ता के बदलने के बावजूद विदेश नीति में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आता है। साथ ही, श्रीलंका और भारत के बीच साझेदारी का एक लंबा सफर रहा है। इसलिए, अगर दोनों देश एक दूसरे के सुरक्षा हितों और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख कर आगे कदम बढ़ाते हैं तो यह द्विपक्षीय हित में एक जरूरी पहल होगी।

गायब लेटर्स पर प्रशासनिक कार्वाई हो, सिर्फ सियासत नहीं!

कमलेश पांडे

अब बीजेपी जिस तरह से नेहरू के लेटर्स को पीएम म्यूजियम को वापस करने के लिए विदेशी मूल की उनकी मनाती बहू, राज्यसभा सांसद व कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दबाव बढ़ा रही है और केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी बोल रही है कि ये पत्र देश की संपत्ति हैं, के राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। जबकि इसमें प्रशासनिक लापरवाही का पहलू भी समीचीन होना चाहिए। क्योंकि इससे हमेशा नामचीन व जिम्मेदार लोग ही जुड़े रहते हैं। आपको याद होगा कि आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोग स्वतंत्रता सेनानी नेहरू और उनके वंशजों के राजनीतिक फैसलों और व्यक्तिगत जीवन पर तथ्यात्मक और मनगढ़ंत हमले करके कांग्रेस का बुरा हाल कर चुके हैं और यदि अपेक्षित पत्र भी उसके हाथ लग गए तो उनको सियासी हमले का पुख्ता आधार मिल जाएगा। यही वजह है कि गांधी परिवार ने भावनात्मक भूलों और तत्कालीन मजबूरियों से जुड़े सुबूतों पर कुंडली मारकर बैठने का फैसला किया है, क्योंकि लगभग 6 दशक तक उसने यहां तिकड़मी तौर पर शासन किया है। हालांकि, उनकी जगह आए समाजवादियों व राष्ट्रवादियों ने भी कुछ नहीं किया और आज भी कमोबेश कर रहे हैं। इससे बहुतेरे कांग्रेसी पाप अब धूल चुके हैं। बता दें कि बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा कि उन्हें देश के पहले प्रधानमंत्री ज्वाहरलाल नेहरू की ओर से कई बड़ी

हस्तियों को लिखी गई चिट्ठी को प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को लौटा देना चाहिए। क्योंकि ये ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति। इस मामले को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ। बीजेपी की ओर से सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को लोकसभा में यह मुद्दा उठाया। पात्रा का दावा था कि नेहरू के ये लेटर्स गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की पत्नी एडविना माउंटबेटन, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली, गोविंद वल्लभ पंत जैसे नेताओं और साइंटिस्ट अल्बर्ट आइंस्टाइन को लिखा था। बताया जाता है कि पीएमएमएल से जुड़े सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को लेटर लिखकर कांग्रेस के पास मौजूद जवाहरलाल नेहरू के अहम खतों को संग्रहालय को सौंपे जाने की अपील की थी। यह लेटर 10 दिसंबर को लिखा गया था, जिसमें दस्तावेज लाने में राहुल गांधी से भी मदद मांगी गई। बताया जाता है कि कांग्रेस की तरफ से अब तक कोई जवाब या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस पर बीजेपी ने सवाल उठाए कि आखिर इन खतों में ऐसा क्या था जिसे छुपाया जा रहा है। सवाल है कि पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के वे कौन कौन से खत थे और वे किसे लिखे गए थे जिन्हें वापस मांगा जा रहा है और कौन मांग रहा है? यही नहीं, सवाल है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, बाहर कैसे गए और इसके लिए कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई की जाए। बताया जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, जो अब वहां नहीं हैं। सवाल है कि न तो ये चोरी हुए हैं और न ही रखे-रखे नष्ट हो गए हैं, बल्कि इन्हें साल 2008 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपने कब्जे के रहते मंगवा लिया था। हैरत की बात है कि इन्हें मंगवाने के डेढ़ दशक बाद भी लौटाया नहीं गया। जबकि केंद्र में लगभग 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री संग्रहालय का स्वरूप भी बदल दिया है। इसके लिए जिम्मेदार व लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। खबर है कि पहले भी सितंबर 2024 में लेटर लिखकर मांगा गया था और अब एक बार फिर इन्हें देश की धरोहर बताते हुए वापस मांगा जा रहा है। राहुल को लिखे लेटर में यहां तक कहा गया है कि यदि वे ऑरिजिनल नहीं दे सकते तो डिजिटल या फोटोकॉपी ही भिजवा दें। लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं आया है।

इसके बाद संसद में भी यह मुद्दा उछाल दिया गया। दरअसल जवाहर लाल नेहरू के ये पत्र केवल एडविना माउंटबेटन से ही जुड़े हुए नहीं हैं बल्कि अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम आदि के बीच के संवाद भी इसमें शामिल हैं। इनमें लेडी माउंटबेटन (एडविना माउंटबेटन) को लिखे हुए खत भी हैं। यही वजह है कि 10 साल बाद जगी मोदी सरकार अब इस मसले पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी को आड़े हाथों ले रही है। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि सोनिया गांधी ने इन खतों को गायब कर दिया है। यह पहली बार नहीं है कि नेहरू के खतों को लेकर बवाल मचा हो। पहले भी एडविना माउंटबेटन और नेहरू के बीच हुए पत्राचार पर बीजेपी कांग्रेस को निशाने पर लेती रही है। ऐसे में गांधी परिवार का इन लेटर को मेमोरियल (जो कि अब प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय के नाम से जाना जाता है) से मंगवाना और फिर बार-बार कहने पर भी न लौटाना, संदेह पैदा करता है। गौरतलब है कि ये वे दस्तावेज हैं जो मेमोरियल को दान किए गए थे। इनमें नेहरू के एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन जैसी हस्तियों के साथ हुए पत्राचार है। पहले ये सारी चिट्ठियां नेहरू मेमोरियल के पास थीं। लेकिन 2008 में सोनिया गांधी ने वहां से 51 डिब्बे (कार्टन) अपना एक प्रतिनिधि भेजकर मंगवाए। लिहाजा, एक बार फिर अब नेहरू मेमोरियल के सदस्य और इतिहासकार रिजवान कादरी ने इन्हें वापस मांगने के लिए लेटर लिखा है। ये लेटर राहुल गांधी को लिखा गया है कि वे नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के ये 51 डिब्बे लौटाएं जो सोनिया गांधी ले गई थीं। वहीं, भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने तो आरोप लगाए हैं कि नेहरू और माउंट बेटन की वाइफ के बीच जो खत लिखे गए थे, उसे गायब कर दिया है। नेहरू और जय प्रकाश नारायण के बीच जो संवाद हुआ था वो राष्ट्र की सम्पत्ति थी और उन लेटर को वापस किया जाना चाहिए। संबित कहते हैं, 'मुझे इस बात की उत्सुकता है कि नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन को क्या लिखा होगा जिसे सेंसर करने की आवश्यकता थी। वहीं, इतिहासकार कादरी ने पत्र लिखकर कहा है कि राहुल अपनी माताजी से बात करिए और ये सारे पेपर्स लौटाइए क्योंकि ये राष्ट्र की धरोहर हैं। हर हिन्दुस्तानी को ये अधिकार है कि उनके पहले प्रधानमंत्री किससे क्या बात कर थे और कौन से दस्तावेजों पर साइन कर रहे थे, ये देश को पता होना चाहिए। कादरी ने आगे कहा कि सोनिया गांधी से कोई जवाब नहीं मिलने के बाद ही उन्होंने राहुल गांधी को एक और पत्र लिखा। बता दें कि पीएमएमएल सोसाइटी का कार्यकाल 4 नवंबर 2024 को समाप्त होने वाला था, लेकिन संस्कृति मंत्रालय ने इसे 13 जनवरी 2025 तक दो महीने का विस्तार दिया है। इस मामले का दिलचस्प पहलू यह है कि प्रधानमंत्री संग्रालय के अधिकारियों द्वारा बरती गई इतनी बड़ी लापरवाही की बात कोई नहीं कर रहा है।

जहरीली धरती से खाने व खून में घुलता जहर...

अमृत सागर मित्तल

85 फीसदी से अधिक रकबे में धान व गेहूं की खेती पर निर्भर पंजाब में कैमिकल कीटनाशकों की बढ़ती खपत चिंताजनक है। राष्ट्रीय स्तर पर जहां कीटनाशकों की खपत प्रति हैक्टेयर 62 किलो है, वहीं 77 किलो प्रति हैक्टेयर कीटनाशकों की खपत करने वाला पंजाब जैसा छोटा प्रदेश यू.पी. व महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों के बाद देश में तीसरे नंबर पर है। इस पागलपन के परिणाम विनाशकारी हैं। हमारी उपजाऊ जमीन बंजर हो रही है। मिट्टी में प्राकृतिक उर्वरता बनाए रखने वाले सूक्ष्मजीव कैमिकल कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण 30 से 50 फीसदी तक खत्म हो चुके हैं। इसका सीधा असर मिट्टी की गुणवत्ता व फसलों की पोषण क्षमता पर पड़ा है। सैंटर सॉयल सैलेनिटी रिसर्च इंस्टीच्यूट (सी.एस.एस.आर.आई.) के मुताबिक एग्रो-कैमिकल्स के अधिक इस्तेमाल के कारण भारत में 67 लाख हैक्टेयर जमीन लवणता से प्रभावित हो चुकी है। मिट्टी में घुले कैमिकल हमारे खाए हर निवाले से हमारे डी.एन.ए. में जहर घोल रहे हैं, जिसका असर आने वाली पीढ़ियों में भी दिखेगा। इसके लिए अभी से जागरूक होकर इस संकट का कारगर समाधान ढूंढना होगा। कीटनाशकों के उत्पादन व इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने के लिए साल 1968 का इंसैक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कारगर नहीं हैं। कीटनाशकों के दुष्परिणामों को कम करने के लिए पैस्टीसाइड मैनेजमैंट बिल 2020 जैसे संशोधन की कोशिशें हुई, लेकिन इसमें कई बड़ी खामियां हैं। यह बिल हमें जहरीले कीटनाशकों से बचाने की बजाय केवल इनके निर्माताओं के रजिस्ट्रेशन व लाइसैंसिंग प्रक्रियाओं पर केंद्रित होकर रह गया। 1968 का इंसैक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कृषि पर गहराते इस संकट को संभालने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। पैस्टीसाइड एक्शन नैटवर्क के मुताबिक, हर साल दुनियाभर में कीटनाशकों के जहर के कारण औसत 11,000 मौतें होती हैं, जिनमें से 6,600 मौतें भारत में हो रही हैं। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि हमारे देश में कीटनाशकों के इस्तेमाल व सुरक्षा उपायों में कानूनी स्तर पर भारी खामियां हैं। फसलों में कीटनाशकों की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन इनके जहरीले प्रभावों के कारण इनके उत्पादन, खपत और निपटान पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। बीते 3 दशकों में कैमिकल कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ा है, जिसका बड़ा कारण कीटनाशक निर्माता कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग रणनीतियां हैं। ऐसे में कीटनाशकों के रिटेल विक्रेताओं की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं कि वे किसानों को अधूरी या भ्रमित करने वाली जानकारी देते हैं। फसल की जरूरत मुताबिक कीटनाशकों के सही इस्तेमाल के लिए किसानों को कारगर ट्रेनिंग नहीं मिल रही। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 'प्लांट प्रोटेक्शन डिपार्टमैंट' ने 1994 से 2022 तक देश के करीब 15 करोड़ किसानों में से केवल 5.85 लाख किसानों को इंटीग्रेटिड पैस्ट मैनेजमैंट की ट्रेनिंग दी। पैस्टीसाइड मैनेजमैंट पर इंटरनैशनल कोड ऑफ कंडक्ट की हिदायतों मुताबिक, सरकारें व निर्माता कंपनियां किसानों को सही ट्रेनिंग और जानकारी दें, पर इन हिदायतों के पालन पर सख्ती करने की जरूरत है। कीटनाशकों के जहर से होने वाली मौतों का देश में सटीक रिकॉर्ड न होना भी इन पर नियंत्रण रखने वाले रैगुलेटरी सिस्टम को कमजोर करता है। नैशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) के रिकॉर्ड में वही मामले होते हैं, जो मैडिको-लीगल केस के तौर पर सामने आते हैं। जमीनी हकीकत यह है कि कीटनाशक निर्माता कंपनियों के खिलाफ मैडिको-लीगल मामला दर्ज कराना किसानों के लिए बहुत मुश्किल व खर्चीला है। सटीक डाटा के अभाव में किसी की भी जवाबदेही तय नहीं हो पा रही। राज्य सरकारें भी घातक कैमिकल कीटनाशकों पर 60 दिन तक का अस्थायी प्रतिबंध लगा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही हैं, जिसके चलते समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल रहा। भारत में सुरक्षा संबंधी जानकारी अक्सर पर्चियों में भर दी जाती है, जिससे किसानों को कीटनाशकों के जोखिमों व सही मात्रा में इस्तेमाल बारे स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती। हालांकि सैद्धांतिक रूप से कंज्यूमर प्रोटैक्शन एक्ट किसानों पर भी लागू होता है, लेकिन भ्रमित करते लेबल और घटिया कीटनाशक निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं होती।

बदलाव के रिश्तों की खुशबू से बचेगी संस्कृति

कहानी शुरू होती है एक हाथी और उसकी इतरा थिन रस्सी से। जब हाथी छोटा था, उसे मोटी जंजीरों में बांधा गया। बेचारे ने बड़ी कोशिश की, लेकिन हर बार हार माननी पड़ी। धीरे-धीरे उसके दिमाग में ठूंस दिया गया कि 'भैया, तुमसे ना हो पाएगा!' अब जब वह हाथी पहलवान बनकर तगड़ा हो गया, तब भी पतली सी रस्सी में बंधा रहता क्योंकि उसके हार्डवेयर में 'ट्राई मत करो' इनस्टॉल हो चुका था। अब इसी हाथी को सास-बहू के रिश्ते पर एप्पल 4 कीजिए। बहू घर आएगी तो सबसे पहले 'परंपरा और संस्कृति' की मोटी जंजीरें उसके गले में लटका दी जाएंगी- बेटा, घर की इज्जत मायके नहीं ले जानी! यहां की बात बाहर मत करना, हमारे खानदान की बहुएं जींस नहीं पहनती हैं। नौकरी? हमारी बहुएं नौकरी नहीं करतीं। तुम्हारी कमाई थोड़े ही खाएंगे! पति ने मारा है तो क्या, प्यार भी तो करता है। थोड़ा एडजस्ट करो बेटा, यही हमारी परंपरा है!ये सारे तर्क और लेकर उस बहू के मैंटल हार्डवेयर में इंस्टॉल कर दिए जाते हैं। फिर जब वह बार-बार अपनी रस्सी तोड़ने की कोशिश करती है- शिक्षा, आत्मनिर्भरता, और सम्मान के लिए आवाज उठाती है- तो समाज उसे ही गलत ठहराता है। धीरे-धीरे वह पतली सी मेन्टल रोप से बंध जाती है, जिसका नाम है 'यह हमारी परंपरा है! अब जरा गीता और वेदांत को बुलाइए, क्योंकि ये हमेशा कर्म और परिवर्तन की बात करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते। इसका अर्थ यही है कि संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला और कुछ भी नहीं है। समय के साथ, व्यक्ति जब सही मार्ग पर चलता है तो ज्ञान उसे अज्ञानता से मुक्त करता है। गीता कहती है, अज्ञानता की बेड़ियों को तोड़ो। अगर सास-बहू का रिश्ता रूढ़ियों और झूठी परंपराओं में उलझा है तो इसे ज्ञान के प्रकाश से ही सुधारा जा सकता है। कृष्ण कहते हैं कि बदलाव और ज्ञान ही जीवन की असली कुंजी है। तो जब भगवान श्रीकृष्ण खुद कह रहे हैं कि ज्ञान के आने पर पुरानी जंजीरों को तोड़ो, तो फिर ये क्वालिटी कंट्रोल में फंसी परंपराएं क्यों हमें रोक रही हैं? क्यों हम बहुओं पर थोपी गई उम्मीदों के इस नकली रिश्ते को खेए जा रहे हैं? वेदांत भी कहता है कि समाज और संस्कृति को समय के साथ बदलना चाहिए। अगर कोई परंपरा व्यक्ति या समाज के विकास में बाधा डालती है, तो उसे बदलना ही चाहिए। सास-बहू के रिश्ते की ये खींचतान, जब संस्कृति और परंपरा के नाम पर सही ठहराई जाती है, तो यह विकास के रास्ते में रोड़ा बन जाती है। अब थोड़ा आधुनिकता लाते हैं और इतिहासकार युवाल नोआ हरारी की बात करते हैं। अपनी मशहूर किताब -स्पेनिश' में हरारी लिखते हैं ङ्क यानी संस्कृति कभी स्थिर नहीं होती। यह हमेशा बदलती है। जब समाज नए विचारों, तकनीकों और विचारधाराओं को अपनाता है तो पुरानी परंपराएं या तो खत्म हो जाती हैं या फिर नए सांचे में ढल जाती हैं। हरारी का कहना है कि बदलाव के बिना संस्कृति डायनासोर बन जाती है। हरारी के अनुसार, मानव सभ्यता ने मिथकों और कहानियों के सहारे अपनी संस्कृति का निर्माण किया। समाज और परंपराएं भी इमेजिंड रिलेटिस पर आधारित होती हैं। जैसे धर्म, राष्ट्र और सामाजिक संरचनाएं। समय के साथ जब ये कल्पित वास्तविकताएं पुरानी हो जाती हैं या समाज के लिए बाधा बनने लगती हैं, तो नए मिथक और नए विचार जन्म लेते हैं। सास-बहू का रिश्ता भी इसी इवोलूशन का हिस्सा है। पुरानी सासें, बहुओं को बेटियां बनाने की जगह 'घर की इज्जत का पहरेदार' बना रही हैं, वहीं कुछ तबकों में नई सासें ऐसी भी हैं जो बहुओं के साथ नेटफ्लिी एण्ड चिल कर रही हैं।

अटल जी की जयंती एवं वीर बाल दिवस को ऐतिहासिक रूप से मनाएं-अटोलिया

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 25 दिसंबर सुशासन दिवस एवं 26 दिसंबर वीर बाल दिवस कार्यक्रम को लेकर आज जिला भाजपा कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के मार्गदर्शन में मंदसौर जिले के समस्त नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मंच पर सुशासन दिवस कार्यक्रम के जिला प्रभारी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, जिला सह प्रभारी गण बंटी चौहान, सुमित सेन, वीर बाल दिवस कार्यक्रम के जिला प्रभारी एवं जिला कोषाध्यक्ष राजु चावला, सह प्रभारी गण सुनिल पटेल, दलपत सिंह डांगी उपस्थित थे। बैठक का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष गणों द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी, केन्द्रीय मंत्रीगण एवं एनडीए के वरिष्ठ नेतागण सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति 25 दिसम्बर, 2024 को नई दिल्ली स्थित समाधि स्थल सदैव अटल पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे एवं भजन कार्यक्रम में भाग लेंगे। विदित रहे की हम सब भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती (25 दिसम्बर) को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाते हैं। अत्यंत हर्ष का विषय है कि यह वर्ष श्रद्धेय अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष है। इस अवसर पर देश भर के साथ मंदसौर जिले में भी जिले के प्रत्येक बूथ स्तर पर अटल स्मृति सभाओं का आयोजन किया जायेगा। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता, जिन्होंने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ काम किया हो या उनके कार्यकाल के समय सक्रिय रहे हों, उन्हें सम्मानित किया जाये। मंडल स्तर पर प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत निर्मित सड़क पर भाजपा के झंडे और तख्ती लेकर 1-2 किलोमीटर लंबी सुशासन यात्रा की निकाली जाए। यात्रा के बाद चौपाल लगाकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार और मोदी सरकार की किसान कल्याण उपलब्धि एवं योजनाओं के साथ-साथ विकास कार्यो र्से क्षेत्र में आए सुधार पर चर्चा की जाएगी। मेरा आप सभी मंडल अध्यक्षों से आग्रह है की आपके मंडल में निवासरत जिला और मंडल पदाधिकारी गणों को अनिवार्य रूप से अटल जी के योगदान और विरासत एवं वर्तमान भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर सोशल मीडिया पोस्ट करवाना है। श्री अटोलिया ने कहा की देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी नेतृत्व में भारत सरकार ने 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। 9 जनवरी, 2022 को गुरू गोविन्द सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की थी कि 26 दिसम्बर को दसवें सिख गुरु गोविन्द सिंह जी के पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस के रूप में मनाना है। इस अवसर पर मंडल स्तर पर एक विशेष सभा का आयोजन करना है। साथ ही सामूहिक रूप से स्थानीय गुरुद्वारे में जाकर शब्द कीर्तन का श्रवण करना है। अपने-अपने मंडलों में प्रभात फेरी का आयोजन करना है, जिसमें समाज के सभी वर्गों को शामिल करना हैं। मुझे प्रसन्नता है की आप सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अपनी अध्यक्षीय पारी की शुरुआत श्रद्धेय अटल जी जन्मदिवस से करने जा रहे है। निश्चित रूप से आपके नेतृत्व में आपके मंडल क्षेत्र में उक्त दोनो कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न होगें। बैठक का संचालन कार्यक्रम जिला सह प्रभारी एंव युवा मोर्चा जिला महामंत्री बंटी चौहान ने किया एंव आभार कार्यक्रम जिला सह प्रभारी एवं पिछ्डा मोर्चा जिला महामंत्री सुमित सेन ने किया। बैठक में उमेश पाटीदार, आदित्य मंगोरोलिया, गोकुलसिंह चौहान, सीताराम चारण, महेन्द्र पहाड़िया, श्रीमती नीलकमल मेहता, दिलीप सिंह तरनोद, जुझार सिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेंद्र सिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराना, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

संत कृपा से भगवान की भक्ति प्राप्त होती है-पं. दशरथ भाईजी

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवत प्राप्ति के संसाधनों में भगवान के मंगलमय पावन नाम कीर्तन, उनके दिव्य स्वरूप के चिंतन और उनकी ऐश्वर्यमय माधुर्य मई मनोरम लीलाओं के गुण तथा चरित्र श्रवण की जितनी महिमा है उससे भी कहीं अधिक महिमा भगवान के अनन्य प्रेमी भक्तों की पवित्र गाथाओं के पठन श्रवण और मनन की है।

उक्त उद्गार प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता पं. दशरथभाईजी ने स्थानीय संजय गांधी उद्यान में श्री सुयश रामायण मंडल के तत्वावधान में आयोजित हो रही संगीतमय श्रीराम कथा में कहें। आपने कहा कि भगवान ही जब भक्तों की महिमा का मुक्त कंठ से गान करते हैं , तो ऐसे सौभाग्यशाली भक्तों की महिमा की क्या सीमा ? इतना ही नहीं भगवान कहते हैं कि मैं भक्त जनों के पीछे-पीछे यह सोचकर निरंतर विचरण किया करता हूं कि उनके चरणों की पवित्र धूल राशि उड़कर मेरे उपर पड़ जाए और मैं पवित्र हो जाऊं आपने कहा कि संतों की महती कृपा से भक्ति की प्राप्ति होती है और वही भक्ति परमात्मा तक पहुंचाती है। कथा प्रसंग के दौरान राजा दशरथ जी के जीवन में राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न जैसी दिव्य संतानों का आना एवं दशरथ जी के जीवन का परिपूर्ण होना। विश्वामित्र जी का राम लक्ष्मण को अपने साथ ले जाना तथा राम और लक्ष्मण के द्वारा विश्वामित्र जी के यज्ञ को पूर्ण करना तथा अहिल्या उद्धार की कथा का मंगलमय गान किया गया। मोबाइल के दुष्परिणाम तथा आने वाली पीढ़ियों को रील के जीवन से निकल कर रीयल जीवन की ओर आने का मार्गदर्शन भी व्यासपीठ के माध्यम से भाई श्री ने किया। सुंदर भजनों की प्रस्तुति पर पंडाल भक्ति में हुआ बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मानस महादेव कथा श्रवण का लाभ लिया। कथा के दौरान तीन छत्री बालाजी के संत श्री रामचरण दास जी महाराज का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि मालवा के माटी के संत दशरथ भाई जी शिक्षाविद होकर शिक्षा के साथ-साथ धर्म की गंगा भी बहा रहे है। हम बड़े भाग्यशाली है यह विभूति हमारे शहर में है। कथा में पौथी पूजन मुख्य यजमान पूर्व पार्षद सुरेश माया भावसार परिवार ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी शिवनारायण श्रीवास्तव अल्हेड़, सोनी समाज के अध्यक्ष अर्जुन डाबर, भूपेंद्र सोनी, महेश सोनी एरा वाला, किशोर सोनी, विनोद सोनी, राजा सोनी, दीपक सोनी, दिलीप सोनी नाहरगढ़ वाले, जिला धार्मिक उत्सव समिति के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, विनय दुबेला, विनोद मेहता, पटेल मुकेश चनाल, ओमप्रकाश सोनी, राजेन्द्र चाष्टा, वीरेन्द्रशंकर भट्ट, नटवर पारीख, हरिशंकर जाधव, संतोष जैन, मोहनसिंह राणावत, प्रकाश कल्याणी, पत्रकार निरंजन भारद्वाज, प्राचार्य राजेशचन्द्र शर्मा, श्रीमती शशि झलोया, संगीता मण्डोवरा, अर्चना गुप्ता, श्रीमती मोदी, नीमच से पधारे राधेश्याम धाकड़, जगदीश चौधरी, हीरालाल चौधरी, शंभुलाल, भंवरलाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में धर्मालुजनों ने कथा श्रवण का लाभ लिया।

समय प्रबंधन जीवन में तनाव को कम करता है-डा.गोधा

सीतामऊ/मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। समय प्रबंधन जीवन में तनाव को कम करता है और अव्यवस्थित दिनचर्या भी तनाव का एक प्रमुख कारण है। शासकीय विभाग में कार्यरत कर्मचारियों में समय प्रबंधन नहीं होने से तनाव के कारण बीपी, शुगर सहित अन्य बीमारियों का सामना करना पड रहा है। जीवन में अनेक समस्याएं होती हैं ,जिनका समाधान भी हमारे स्वयं के पास ही होता है। क्रोध पर नियंत्रण भी हमारे तनाव को कम करने का एक माध्यम हो सकता है। जब हम तनाव में हो तो हमें अल्पविराम की आवश्यकता महसूस होना चाहिए। यह बात राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश शासन के मास्टर ट्रेनर डॉ.सुनीता गोधा एवं डॉ.विनिता कुलश्रेष्ठ ने शुक्रवार को नटनागर शोध संस्थान सीतामऊ में आयोजित विकासखंड स्तरिय एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला में व्यक्त किये। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीतामऊप्रभांशु कुमार सिंह ने बताया कि हर व्यक्ति के आनंद की अलग-अलग परिभाषा हो सकती है । प्राकृतिक वातावरण से हमें आनंदित महसूस होता है। डॉक्टर मनीष मीडा ने बताया कि जीवन में आनंद के कई उतार चढ़ाव आते हैं। एसडीएम स्टेनो रायसिंह बघेल ने फीडबैक देते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा आयोजित अल्पविराम शिविर शासकीय कर्मचारियों के लिए अच्छा माध्यम है ,जो तनाव कम करने का एक सुगम वातावरण निर्मित करता है। ऐसे शिविर समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अनिरुद्धसिंह चौहान एवं महेंद्र सिंह सोलंकी द्वारा किया गया। आभार पंचायत इंस्पेक्टर कमलसिंह मोरी ने माना।

भारत को विकास की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में लाने के लिए मप्र प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री देवड़ा

नीमच, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को समग्र रूप से विकसित करने तथा विकास की अग्रणी अर्थव्य वस्थाओं की श्रेणी में लाने के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध है। उज्जैन में 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व की चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सिंहस्थ क्षेत्र में सुनियोजित रूप से विकास व जन-सुविधाओं की भी व्यापक व्यवस्थाा के लिए आगामी बजट में 'सिंहस्थ' आयोजन के लिए प्रावधान का अनुरोध किया।

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ हुई प्री बजट मीटिंग में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि विशेष पूंजीगत सहायता योजना के संबंध में आम जनता के जीवन-यापन में सकारात्माक परिवर्तन भी हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश का कुल पूंजीगत व्यय रूपये 46 हजार 798 करोड़ था जो लगभग 23 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2023-24 में रूपये 57 हजार 348 करोड़ रहा है। उन्होने कहा कि वर्ष 2024-25 में लगभग रूपये 64 हजार 738 करोड का पूंजीगत व्यय अनुमानित है। वर्ष 2024-25 के लिए रूपये 6 हजार 187 करोड 73 लाख की राशि प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने राज्य की ओर से बजट की तैयारी से संबंधित सुझाव देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत वित्त पोषित राष्ट्रीय वृद्धावस्थ् पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन एंव राष्ट्रीय नि:शक्त पेंशन योजनाओं में वित्त पोषण की वर्तमान व्यवस्था पर पुर्नविचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2024 के मध्य प्रतिवर्ष 0.29 प्रतिशत से लेकर 0.44 प्रतिशत तक की जीवन-प्रत्याशा में वृद्धि हुई है। इस तथ्य् के परिणामस्व रूप योजनान्तर्गत हितग्राहियों की वर्तमान पंजीबद्ध संख्या 24 लाख 14 हजार से बढकर 29 लाख 43 हजार होना अनुमानित है। केन्द्र सरकार द्वारा मात्र 15 लाख 75 हजार हितग्राहियों के मान से ही वित्त पोषण किए जाने से राज्य सरकार को अतिरिक्त व्यय वहन करना पड रहा है। इस तथ्य के प्रकाश में वर्ष 2013-14 में योजना के हितग्राहियों की संख्या की अधिकतम सीमा के पुनरीक्षण पर विचार किया जाना चाहिए।

जल जीवन मिशन की शेष राशि जारी करने का आग्रह- जल जीवन मिशन योजना के लिये उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि केन्द्र से मिशन की दूसरी किश्त की द्वितीय व तृतीय ट्रेंच की राशि रूपये 1 हजार 422 करोड की राशि प्राप्त नहीं होने से राज्य सरकार ने स्वयं के स्त्रो तों से योजनाओं के कार्यों कों जारी रखा है। वर्ष 2024-25 में इन कार्यों कें लिए रूपये 17 हजार करोड की आवश्यतकता अनुमानित है, जिसमें केन्द्र की सहभागिता के अनुसार प्रदेश को रूपये 8 हजार 500 करोड की राशि भारत सरकार से अपेक्षित है। उन्होंने केन्द्रांश के लिए रूपये 4 हजार 456 करोड का अतिरिक्त प्रावधान करने और द्वितीय किश्त की शेष राशि रूपये 1 हजार 422 करोड उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

खाद्यान्न उपार्जन की लागत के व्ययों की प्रतिपूर्ति दरों का पुर्ननिर्धारण- उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि उपार्जन में विभिन्नि मदों जैसे निराश्रित शुल्क मण्डी लेबर व्यय, परिवहन व्यय, सोसायटी को कमीशन, ब्याज, भण्डारण व्यय, मिलर्स को प्रोत्सारहन, बारदाना लागत आदि में किए जा रहे व्ययों तथा केन्द्र द्वारा निर्धारित दरों में अन्तर है। केन्द्र के स्तर पर दरों का पुनरीक्षण नहीं होने से सभी मदों में राज्य सरकार पर अतिरिक्ता व्यय भार आ गया है। इस परिप्रेक्ष्य में केन्द्र से दरों के शीघ्र पुनरीक्षण का अनुरोध है। उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्री य ग्रामीण रोजगार योजना में केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित मजदूरी दर, कृषि श्रमिकों के लिए अधिसूचित मजदूरी दर से कम है। इसके परिणामस्वरूप मजदूरी नियोजन में कमी आई है। केन्द्र सरकार से प्रशासनिक मद में व्यय की 6 प्रतिशत राशि की सीमा को बढाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्थान एवं जीवन सुधार के मद्देनजर एक वर्ष में 100 दिवस के रोजगार की बजाय 150 दिवस के रोजगार की गारण्टी का प्रावधान करने का आग्रह किया। मध्यप्रदेश द्वारा आर्थिक दायित्वों के सराहनीय निर्वहन का उल्लेख करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री देवडा ने केन्द्रीय करों में राज्य सरकार की वर्तमान हिस्सेदारी 41 प्रतिशत को बढाये जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में कुशल वित्त्य प्रबंधन के परिणामस्वनरूप प्रदेश राजस्वआधिक्य की स्थिति में है।

देश में फासिस्टवादी शक्तियां हावी हो रही है कांग्रेस पार्टी इसका डट कर मुकाबला करेगी-रातड़िया

जिला व शहर ब्लॉक कांग्रेस ने अमित शाह के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस व शहर ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा राज्यसभा में संविधान निर्माता बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए गए अपमान जनक बयान व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उम्र की गई गलत एफआईआर के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के आह्वान पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के निर्देशानुसार जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर द्वारा बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस ने गृहमंत्री अमित शाह मुर्दाबाद, अमित शाह इस्तीफा दो, अमित शाह होश में आओ, केनारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का लोकसभा में अपमान किया गया। जो देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि

बाबा साहेब ने देश में सभी जातियों एवं धर्मों कों एक समान मानते थे। उन्होंने देश में छुआछूत खत्म करने एवं शोषितों, वंचितों एवं दलितों के उत्थान करने का काम किया और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया वैसे महान शख्सियत के खिलाफ अपमान करना कांग्रेस पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया। बाबा साहेब हमारे पूज्यनीय हैं, और उनका अपमान हिंदुस्तान कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी एवं राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने बाबा साहेब के अपमान के खिलाफ आवाज उठाई, तब जानबूझकर भाजपा के लोगों ने धक्का-मुक्की की। इसके बाद झूठे आरोपों के तहत श्री राहुल गांधी जी पर केस दर्ज किया गया। जो एफआईआर दर्ज की गई है, वह राहुल गांधी जी के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह अंबेडकर जी और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव महेंद्र सिंह गुर्जर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मो.हनीफ शेख,जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण कांतिलाल राठौर, किशन लाल चौहान, तरुण खींची, मनजीत सिंह टुटेजा, अजय लोढा,लक्ष्मण मेघनानी,कमलेश सोनी सुनील बसेर, शैलेंद्र बघेरवाल,विनोद शर्मा,मंडलम अध्यक्ष में सर्वश्री विजय जैन, नितेश सती दासानी,अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, दशरथ राठौड़, अजय मारू,पंकज जोशी,वकार खान,सेक्टर अध्यक्ष विनोद ओझा सादिक गोरी, शैलेंद्र गोस्वामी,घनश्याम लोहार साथ ही इस अवसर पर राजेश सोलंकी, मनोहर नाहटा, गोपाल सिंह गुर्जर, पार्षद प्रीतम पंचोली, नवीन शर्मा, फिरोज पठान, संजय बारोट, मुंशी पी (बोतलगंज), रंगलाल धनगर, सत्यनारायण धनगर (रतन पिपलिया), राजू मालवीय (रतन पिपलिया), भेरूलाल कुमावत, मो. आरिफ, बसंती लाल धनगर आदि बडी संख्या में कांग्रेस जन इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने किया व सभी का आभार मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा ने माना।

निक्षय मित्र बनकर टीबी के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग प्रदान करें-कलेक्टर

100 दिवसीय टीबी अभियान की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला क्षय अधिकारीद्वारा बताया गया की प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 100 दिवसीय निक्षय शिविर के अंतर्गत टीबी की बीमारी के प्रति सामुहिक रूप से जागरूकता हेतु कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोविंद सिंह चौहान, जिला क्षय अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के समस्त स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा जिले की कुल जनसंख्या को 100 प्रतिशत टीबी का संदेश घर-घर जाकर दिया जाए। संदेश के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओ द्वारा टीबी के मुख्य लक्षण लगातार खांसी, बुखार आना, भुख कम लगना, बलगम के साथ खुन आना, ऐसे लक्षणों की जानकारी दी जावेगी। साथ ही मधुमेह के रोगी, धुम्रपान वाले, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, विगत 5 वर्षो के टीबी मरीज व उनके सम्पर्कव्यक्ति, 18.5 के कम बीएमआई वाले, नशा करने वाले व्यक्ति, जेल, वृद्धाश्रम, अनाथालय, रैन बसेरा, आवासीय विद्यालयों, स्लम,

उद्योग एवं अस्थायी आवासीय श्रमिकों की टीबी की स्क्रीनिंक कर एक्स-रे एवं सीबीनॉट जाँच करवाई जाऐं।

जिला क्षय अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी द्वारा बताया गया कि 07 दिसंबर 2024 से जिले मे अभियान का शुभारंभ हुआ, जो 24 मार्च 2025 तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत मुख्य रूप से। अभियान के अंतर्गत जिले मे 176 आयुष्मान अरोग्य मंदिर, 06 सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर निक्षय शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के अंतर्गत आने वाले समस्त संभावित लोगो की जांच एवं उपचार की व्यवस्था की जावेगी। साथ ही जिले के सम्पूर्ण सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधीगणों, पत्रकारगण आदि माध्यमों से बीमारी के बचाव हेतु जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जावेगा एवं टीबी का उपचार ले रहे रोगी के प्रति समाज मे छुपी कुरीति छुआछुत, भेदभाव ना किया जाऐ, तथा निक्षय मित्र बनते हुए टीबी मरीज को पोषण आहार योजना के अंतर्गत फुड बास्केट प्रदान करने की भी अपील की गई। जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाऐगी। वर्तमान मे शासन योजना के अंतर्गत टीबी के उपचार के लिए नि:शुल्क जांच एवं दवाईयाँ समस्त शासकीय अस्पतालों मे उपलब्ध है तथा प्रतिमाह टीबी रोगी को शासन की ओर 1000 रूपये भी उपचार अवधि के दोरान प्रदान किए जाते है। इस प्रकार अभियान मे समस्त जनप्रतिनिधीगणों, पत्रकारगणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, उद्योगपतियों से जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी द्वारा अभियान का हिस्सा बनने के लिए आव्हान किया गया।

सेवानिवृत्तों का सम्मान समारोह 24 को

नीमच, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा की उपस्थिति में माह अक्टूबर एवं नवम्बर 2024 में सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों का सम्मान समारोह 24 दिसम्बर 2024 को शाम 4 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित किया जा रहा हैं। संबंधित शासकीय सेवक को पी.पी.ओ., जी.पी.ओ. जिला पेंशन कार्यालय द्वारा प्रदाय किए जावेंगे एवं अन्य स्वत्वों के आदेश की प्रति संबंधित विभागों द्वारा प्रदान की जावेगी। सभी संबंधितों से इस समारोह में उपस्थित होने का अनुगृह किया गया हैं।

पूर्व पार्षद श्रीमती मूंदड़ा पंचतत्व में विलीन

पिपलियामंडी, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक

डॉ. अरुण मूंदडा की धर्मपत्नी और पूर्व कॉग्रेस पार्षद श्रीमती गायत्री मूंदडा का अल्प बीमारी के पश्चात चेन्नई मे उपचार के दौरान गुरुवार को नि:धन हो गया था। शुक्रवार को निकली अंतिम यात्रा मे नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हज़ारों व्यक्तियों ने सम्मिलित होकर अंतिम बिदाई दी। मुक्तिधाम पर आयोजित शोकसभा मे सर्वश्री डॉ सुरेश पमनानी, डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. चेलावत, डॉ. बसंत शर्मा, सोमिल नाहटा, ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, चौथमल गुप्ता, अशोक कुमठ, पत्रकार रमेश तेलकार, मानसिंह माच्छोपुरिया, रूपचद होतवानी, ओमप्रकाश गहलोत, पत्रकार जगदीश पंडित, प्रकाश बंसल, भगवतीप्रसाद गहलोत, रमेश परवाल मंदसौर, डॉ. स्वप्निल ओझा, हरिप्रसाद गहलोत, कैलाश काका, निर्मल गर्ग, कैलाश आगार, कमल परसिंधिया, सत्यनारायण काबरा, राजू पंडित, संदीप सिंह , राजू पाटीदार, विजेश मालेचा, मानसिंह चौहान, सत्यनारायण मंत्री आदि ने संवेदना व्यक्त कर मूंदडा परिवार द्वारा किये गये प्रयास एवं सेवा की भूरि भूरि प्रशंसा की। शोकसभा का संचालन कवि पोरवाल मुकेश निडर ने किया। मुखाग्नि श्रीमती मूंदडा के बेटों डॉ. गर्वित व सीए दर्शित ने दी।

बस में दिव्यांगजनों को मिले किराये में आधी छूट, आगे की सीटे रहे आरक्षित-पाण्डेय

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सक्षम केप्रांत सचिव रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन एवं परिवहन आयुक्त ग्वालियर द्वारा दिए निर्देशों के अनुरूप दिव्यांगजन को ट्रेन की तरह यात्री बसों में भी आधा किराया देकर वह प्रदेश में कहीं भी आ जा सकते है। उसके लिये सफर के दौरान किराए में 50 फीसदी छूट पाने के लिए दिव्यांगों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी विकलांगता प्रमाण पत्र बस कंडक्टर को दिखाना होगा। साथ समस्त शासकीय एवं प्राइवेट बसों में आगे की सीटे भी दिव्यांगजनो के लिये आरक्षित रखने का प्रावधान है लेकिन वर्तमान में देखने में आ रहा है कि कई बस संचालकों द्वारा इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है जिससे दिव्यांगजनों को यात्रा करने में असुविधा हो रही है। श्री पाण्डेय ने बताया कि शासन ने दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत तक छूट देने संबंधी नोटिफिकेशन अधिसूचना जारी करने के बाद परिवहन विभाग ने भी इसे लागू भी कर दिया है। जिसका पालन सभी बसों में होना ही चाहिये। इसी नियम के तहत बसों को परमिट भी जारी होते है। अगर कोई बस संचालक इस नियम का पालन नहीं करता है तो उसका परमिट निरस्त होना चाहिए। श्री पाण्डेय ने कलेक्टर एवं आरटीओ मंदसौर से आग्रह किया है कि समस्त शासकीय एवं प्रायवेट बसों का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण किया जाये तथा जिन बसों में आगे की सीटों को दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित नहीं रखी जाती है तथा दिव्यांगजनों को किराये में 50 प्रतिशत छूट नहीं दी जाती है उन पर कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके परमीट निरस्त किये जाये। सभी दिव्यांगों को आयुष्मान कार्ड की भी पात्रता है इसलिए सभी दिव्यांगों को बनाना चाहिए।

ई रिक्शा वाहन रैली को फीता काटकर रवाना किया

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्वती- कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत शिवना बैराज परियोजना का निर्माण होने जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार ने जिला पंचायत से ई-रिक्शा वाहन रैली को फीता काटकर रवाना किया। ई-रिक्शा वाहन रैली जिला पंचायत मंदसौर से पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची। पशुपतिनाथ मंदिर में रैली का समापन हुआ। ई-रिक्शा वाहन रैली में 50 ई रिक्शा शामिल हुए।

डॉ.आम्बेडकर के खिलाफ टिप्पणी करने पर कांग्रेस उतरी मैदान में

कुकड़ेश्वर/मनासा, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के सर्वोच्च संसद के

सदन में देश के गृहमंत्री अमित शाह जी द्वारा संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव जी अम्बेडकर के खिलाफ सदन मे जो अपमान जनक टिप्पणी की गई वह लोकतंत्र के इतिहास मे काला अध्याय है, इस कृत्य की कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है। कुकडेश्वर ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा देश के गृहमंत्री की निंदा करते हुए उन्हे देश से माफी मांगने की मांग राष्ट्रपति माननीय द्रोपदी मुर्मू जी से कि है की देश के गृहमंत्री को उनके पद पर कोई नैतिक अधिकार नही रह गया है। अत: उन्हे तत्काल गृहमंत्री पद से मुक्त किया जावे, बाबा साहब के सम्मान मे जो अभद्र बाते संसद मे गृहमंत्री द्वारा की गई, जो अपमान किया उससे देश के करोडो नागरिको का मन आहत हुआ है। अत: आमजन की भावना व हमारे आग्रह पर सहानुभुति पूर्वक विचार कर गृहमंत्री को पद मुक्त करने हेतु टप्पा कार्यालय कुकडेश्वर के नायब तहसीलदार नवीन छलोत्रे को ज्ञापन सौंपा गया।

वंही ब्लॉक कांग्रेस कमिटी द्वारा अहम बैठक आयोजित करते हुए कांग्रेस में एकीकरण व पंचायत स्तर पर कमिटी गठन हेतु सुझाव कांग्रेस के नीमच जिला प्रभारी हर्ष विजय गहलोत द्वारा दिये गए। बैठक में जिला सह प्रभारी डीपी धाकड़, जिलाध्यक्ष अनिल चौरसिया, मंगेश संघई सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान नगर अध्यक्ष नन्दलाल मालवीय, जगदीश मालवीय बासाप, विजय श्रीमाल, प्रमोद मालवीय, रिंकू भानपिया, मांगीलाल परमार, बलवन्त खींची सहित सेंकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट कैलाश राठौर (ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कुकडेश्वर) द्वारा किया गया व अमृत पंचोली द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

हताश, निराश किंकर्तव्यमूढ़ को सही मार्ग दिखाती है गीता- डॉ. नारायण स्वामी

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में आयोजित पंच दिवसीय गीता जयंती महोत्सव में ज्ञान प्रवचन व्याख्यान माला के तृतीय दिवस में मुख्य वक्ता पूज्य संत श्री अमृतरामजी महाराज ने गीता के सत्रहवें अध्याय में वर्णित सात्विक राजसी और तामसी भोजन का वर्णन करते हुए कहा कि जो प्रतिदिन समय पर उचित मात्रा में सात्विक भोजन करता है वह अस्वस्थ, कभी बीमार नहीं होता, बीमार वहीं होता है जो राजसी और तामसी भोजन करता है। जो प्रीतिपूर्वक श्रद्धा से भगवान का भजन करता है उसको कण-कण में भगवान के दिव्य दर्शन होने लगते है। जिस प्रकार आकाश का आदि अंत कहीं नहीं है, उसी प्रकार भगवान के स्वरूप का विस्तार का आदि, अंत कही नहीं है। भगवान ने वामन अवतार में तीन पग अर्थात तीन कदम में सम्पूर्ण विश्व, धरती, आकाश, पाताल तीनों को नाप लिया था।

डॉ. नारायण स्वामी ने वर्तमान परिस्थितियों जहां चारों और से अनाचार-अत्याचार-प्रदूषित वातावरण अनेक रोगों आदि विभीषिकाओं में जीते हुए निराश हताश किंकर्तव्य होकर सोच नहीं पा रहा है कि हम क्या करें, सब और से भटकाव ही भटकाव कोई मार्ग दिखाई नहीं दे रहा हो। ऐसी विषम परिस्थिति में यदि कोई सच्चा मार्ग दर्शक हमारा हमदर्द कोई है तो वह है एक मात्र केवल भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व को मानसिक तनाव आदि से उबारने में भगवान कृष्ण की भगवद् गीता है। गीता का अनुसरण-अनुपालन करने वाला कभी अशांत-दु:खी नहीं रह सकता। पूज्य संत रामजी राम महाराज मचलाना, धीरजरामजी महाराज पुष्कर के भी गीता ज्ञान पर सार गर्भित प्रवचन हुए। धर्मधाम गीता भवन अयक्ष पुज्य रामनिवासजी महाराज, ज्योतिषज्ञ लाडकुंवर दीदी के सानिध्य मे संतों का सम्मान ट्रस्ट उपाध्यक्ष जगदीश चौधरी, सचिव पं. अशोक त्रिपाठी व ट्रस्टी बंशीलाल टांक ने किया। संतों का जगदीशचन्द्र सेठिया, शेषनारायण माली, सत्यनारायण पलोड, विनोद चौबे, स्वागत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह अखावत, प्रेमचंद सिसोदिया, डॉ. रविन्द्र पाण्डेय और दाखाबाई माताजी, सुरेंद्र चौहान, राधेश्याम चौहान, रघुवीर सिंह जगावत, युवराज सिंह आदि ने स्वागत किया। संचालन पं. अशोक त्रिपाठी ने किया व आभार जगदीश चौधरी ने माना।

ज्योति और पीयूष पश्चिम क्षेत्र एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयनित

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंतर विश्वविद्यालयीन पश्चिम क्षेत्र एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिये ज्योति कुमावत और पीयूष मीणा का चयन हुआ है।

उपरोक्त विषय मे जानकारी देते हुए एन.आई.एस. जिला एथलेटिक्स कोच मुकेश भटेवरा ने बताया पी.एम.श्री पी.जी. कॉलेज, मन्दसौर के एथलीटों ज्योति कुमावत और पीयूष मीणा का चयन अंतर विश्वविद्यालयीन पश्चिम क्षेत्र एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ है। 7 से 8 दिसम्बर 2024 को शुजालपुर में आयोजित विक्रम विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन महिला एवं पुरूष वर्ग में हुआ जिसमें मंदसौर से खिलाडियों ने भाग लेते हुए महिला वर्ग में कु. ज्योति कुमावत ने 100 मी. बाधा दौड़, में प्रथम और 400मी. बाधा दौड़ तृतीय स्थान प्राप्त किया था, और पुरुष वर्ग में श्री पीयूष मीणा ने 110मी. बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त, विक्रम विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स टीम में जगह बनाई, यह दोनों चयनित खिलाड़ी 22 से 30 दिसम्बर 2024 को भुवनेश्वर (उडीसा) में आयोजित होने वाली अंतर विश्वविद्यालयीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	45	2332	2460
उडद	35	5125	6671
सोयाबीन	3000	3620	4260
गैहु	1579	2850	3200
चना	180	5700	6428
मसुर	44	5125	6671
धनिया	263	5760	7425
लहसुन	8000	9001	25501
मैथी	448	4401	5900
मुंगफली	3000	4400	5500
अलसी	1183	5420	6126
सरसो	157	4801	5613
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	44	9940	12850
प्याज	13400	350	1530
कलोंजी	31	14081	18051
तुलसी बीज	3	15890	16251
डॉलर	34	5500	9500
तिल्ली	18	8400	12400
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	4800	7081
असालीया	6	8000	13500
चियाबीज	37	11701	14599

जिला प्रशासन द्वारा बाछड़ा समुदाय की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं देखभाल की अभिनव पहल...

पंख अभियान के तहत बाछड़ा बाहुल्य ग्रामों में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांचे की

नीमच, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में संचालित पंख अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा बाछडा समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं देखभाल की अभिनव पहल की गई है। इस अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाछड़ा बाहुल्य गांवों में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे है। अब तक विशेष समुदाय बाछडा बाहुल्य ग्राम तलाऊ, चंद्रपुरा, ब्रह्मपुर, जैतपुरा, रावतखेडा, नीलकंठपुरा, सगरग्राम, चल्दू, भंवरासा, चडोली, किशनपुरा, हिंगोरिया, ग्वालदेवियां, नेवड, नयागांव, हाडीपिपलिया, चपलाना, कडीआंत्री, लसूडीआंत्री, बर्डिया, बरखेडा, लोडकिया,

भांडिया, पावटी, पिपलीपयारूंडी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए हैं।

इन विशेष शिविरों में विकासखंड नीमच के गांवों में कुल 762 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई। जिनमें 512 की बी.पी. शुगर, 680 की हीमोग्लोबिन की जांच, 115 संभावित छय रोगियों की जांच, 218 एचआईवी की जांच की गई। विकासखंड मनासा में कुल 864 व्यक्तियों की जांच की गई, जिसमें 824 व्यक्तियों की हिमोग्लोबिन जांच, 152 संभावित छय रोगियों की जांच, 698 व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर शुगर की जांच, 790 व्यक्तियों की एचआईवी जांच की गई है। पंख अभियान के तहत विकासखंड जावद के नयागांव में भी 54 मरीजों की जांच कर, आवश्यक उपचार दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद ने उक्तस जानकारी देते हुए बताया, कि पंख अभियान के साथ ही जिले में 100 दिवसीय निक्षय अभियान भी निरंतर जारी है। इस अभियान का शुभारंभ 7 दिसंबर को किया जाकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत बाछड़ा बाहुल्य ग्रामों में 115 लोगों की टी.बी. की स्क्री निंग की गई हैं। नोडल अधिकारी डॉक्टर मनीष यादव ने बताया कि जिले में टी.बी. के प्रति उच्च जोखिम में आने वाली 134309 व्यक्तियों की जांच एवं 120878 व्यक्तियों की एक्सचरे तथा 1342130 व्यक्तियों की ट्रूनॉट का लक्ष्य राज्य स्तर से प्राप्त हुआ है अभियान निरंतर जारी होकर अभी तक 709 लोगों को ट्रूनॉट जांच और 691 लोगों का एक्सतरे किया गया है। अभियान 24 दिसंबर 24 मार्च तक निरंतर जारी रहेगा। जिला जिसमें सभी लोगों को आवश्यक जांच एवं उपचार किया जाएगा। आमजनों से अपील की गई है, कि यदि टी.बी. संभावित लक्षण पाए जाते हैं, तो निकट स्वास्थ्य केंद्र पर अथवा आशा कार्यकर्ता से संपर्क करें।

प्रदेश के एक लाख किसानों को नि:शुल्क सोलर पंप उपलब्ध कराएंगे-डॉ.यादव

मुख्यमंत्री द्वारा 880 मेगावाट क्षमता की नीमच-आगर सौर परियोजना का लोकार्पण सम्पन्न

नीमच, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से सिंचाई क्षमता बढ़ाने का सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। वर्तमान में 48 लाख हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता को बढ़ाकर, एक करोड़ हेक्टेयर करने का सरकार ने लक्ष्य रखा हैं। आगामी तीन सालों में प्रदेश के एक लाख किसानों को नि-शुल्क सौलर पंप उपलब्ध कराएं जाएंगे। यह बात मुख्य मंत्री डॉ.मोहन यादव ने शुक्रवार को सुसनेर आगर में आयोजित कार्यक्रम में 880 मेगावॉट क्षमता की नीमच-आगर सौर परियोजना के लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सुसनेर से नीमच जिले की सिंगोली में 500 मेगावॉट क्षमता की बड़ी कवई, सौर परियोजना का वर्चुअली लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर नीमच के टाउनहॉल में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, विधायक प्रतिनिधि श्री हेमंत हरित की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में सुसनेर आगर से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आतिथ्य में आयोजित सौर परियोजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। जिसे उपस्थित अतिथियों एवं जनसमुदाय ने देखा व सुना। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपने उदबोधन में कहा, कि सरकार दूध खरीदने पर भी पशुपालकों को बोनस देगी। वर्तमान में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाएंगे। नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी गांवों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होने कहा, कि झालावाड, उज्जैन रेल लाईन भी दिलाने का प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है।

जिले में सौर ऊर्जा विस्तार की पहल की जा रही है:-कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि नीमच जिले में सौर ऊर्जा के विस्तार की पहल की जा रही है। जिले में और भी सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए जमीन चिन्हित कर रहे है। सिंगोली के सौर ऊर्जा प्लांट की सौगात मुख्यमंत्री जी द्वारा दी गई है। इससे सस्ते दरों पर बिजली मिलेगी। पीएम सूर्य घर योजना के तहत भी लोगो को अपने घरों को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पंचायतों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए चिन्हित किया गया है। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ञवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव साहू, श्री चंद्र सिंह धार्वे, एसडीएम डॉ.ममता खेडे एवं श्री [illegible] ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजेश पाटीदार ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरूष तथा आमजन उपस्थित थे।

मंदसौर: गुमटी माफिया और नगर पालिका प्रशासनिक उदासीनता का शहर

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर जो कभी अपनी सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता था, आजकल गुमटी माफियाओं के सक्रिय होने के कारण चर्चा में है। शहर के चौराहों, बस स्टैंड, और बगीचों के आसपास गुमटी माफियाओं द्वारा किया गया अतिक्रमण नगर की सुंदरता और व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। इस समस्या के समाधान में नगर पालिका परिषद की उदासीनता और राजनैतिक संरक्षण एक गंभीर चुनौती बन गए हैं। शहर में बढ़ते गुमटी अतिक्रमण के पीछे माफियाओं की प्रभावशाली पकड़ और राजनैतिक समर्थन की कहानी किसी से छिपी नहीं है। नगरपालिका की कार्यवाही में पक्षपात का आरोप अक्सर सुनाई देता है। जब भी अतिक्रमण हटाने की बात आती है, तो नगर पालिका की टीम हाथ ठेला व्यवसायियों और छोटे विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई करती है। लेकिन जब गुमटी माफियाओं की बात आती है, तो यह कार्रवाई एकदम ठंडी पड़ जाती है। यह भेदभाव नगर पालिका परिषद की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है।

नेमीचंद राठौर

श्री कोल्ड चौराहा: एक विवादास्पद इतिहास – श्री कोल्ड चौराह पर मंदसौर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के बाहर लगी गुमटियों का अतिक्रमण नगर पालिका और गुमटी माफियाओं के गठजोड़ का स्पष्ट उदाहरण है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रह्लाद बंधवार की हत्या, जो गुमटी हटाने की कार्रवाई के बाद हुई थी, इस समस्या की गंभीरता को दर्शाती है। हत्या के बावजूद, उसी स्थान पर फिर से गुमटियां लग गई और उन्हें किराए पर दिया जा रहा है। सवाल उठता है कि बिजली कनेक्शन जैसी सुविधाएं इन गुमटियों को कैसे मिलीं और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। प्रशासन द्वारा इस मुद्दे की जांच न करना और माफियाओं को खुला संरक्षण देना नगर के विकास में बाधक बन रहा है।

नेहरू बस स्टैंड और अतिक्रमण की पुनरावृत्ति हुई– नेहरू बस स्टैंड के आसपास का क्षेत्र भी गुमटी माफियाओं की गिरफ्त में है। बगीचे के बाहर लगी गुमटियों को पूर्व में हटाकर कांप्लेक्स के सामने स्थानांतरित किया गया था। लेकिन कुछ ही समय बाद, नेहरू बस स्टैंड बगीचे के चारों ओर फिर से गुमटियों का जाल फैल गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि नगर पालिका की कार्रवाई केवल दिखावटी है और समस्या को जड़ से खत्म करने में असफल रही है।

समस्या के समाधान की आवश्यकता – गुमटी माफियाओं का यह बढ़ता दबदबा मंदसौर की छवि को धूमिल कर रहा है। नगर पालिका परिषद को निष्पक्षता के साथ कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है। गुमटी माफियाओं को मिलने वाले बिजली कनेक्शन, जगह और अन्य सुविधाओं की जांच की जानी चाहिए। साथ ही राजनैतिक संरक्षण को खत्म कर कानून का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। छोटे व्यवसायियों और गुमटी धारकों के लिए वैकल्पिक स्थायी स्थान और सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। स्थानीय जनता को इस मुद्दे पर जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे अतिक्रमण के खिलाफ आवाज उठा सकें। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया, तो मंदसौर की सुंदरता और विकास दोनों ही खतरे में पड़ सकते हैं। गुमटी माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई और प्रशासनिक सुधार ही इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।

मिथुन वप्ता एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन (म.प्र.) लगातार प्रदेश में आम जनता के जनजीवन में बेहतर स्वास्थ एवं दवाओं के प्रति जागरूकता का संदेश समाज में देया आ रहा है,साथ ही फार्मा से जुड़े विभिन्न विषयों को उठाकर उनका समाधान करने का कार्य करते आ रहा है।संघटन द्वारा इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति से फार्मासिस्ट साथी मिथुन वप्ता जी को मंदसौर जिले का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमित सिंह ठाकुर जी ,प्रदेश महासचिव श्री अखिलेश त्रिपाठी जी ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है एवं फार्मासिस्ट साथियों के हितों में कार्य करने के लिए बधाई दी है। साथ ही संघटन के प्रदेश सचिव श्री दीपक मिश्रा जी ने शुभकामनाएं देते हुए वप्ता जी को संगठन के क्रियाकलापों संबंधित जानकारी साझा की और कहा कि समाज में जहां दवा का कारोबार होता है वहां फार्मासिस्ट का होना जरूरी है। ताकि जो नकली दवाओं के साथ साथ नशे का कारोबार फलफूल रहा है उसमें रोकथाम लगाई जा सके। इसके लिए

जिले के सभी फार्मासिस्ट साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मिथुन वप्ता जी के नेतृत्व में मजबूती के साथ कार्य करेंगे। श्री मिथुन वप्ता की नियुक्ति पर जिले भर के सभी फार्मासिस्ट साथि इष्टमित्र हितेश शुक्ला, चंद्रशेखर शर्मा, आशीष जैन,राजेश सोनी, रणजीत जायसवाल,पंकज सुराणा,विनोद धनोतिया,आयुष रत्नावत,प्रतापसिंह चंद्रावत,नरेंद्र त्रिवेदी,शुभम बैरागी, रणजीत बसवा,मोहन मीणा,राम बिरला, मनोज जोशी,राम मीणा,राहुल पाटीदार, अमित तोमर,मनोज टेलर,अश्विन तिवारी, अंशुल जैन,राहुल तरबेचा,नाना सोनी, पवन रत्नावत,आशीष भाटिया, नवनीत शर्मा,उमरावसिंह जैन,वीरेंद्र चौहान आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उपरोक्त जानकारी प्रदेश आईटी एवं मीडिया प्रभारी श्री राजवीर त्यागी जी ने दी।

सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज...

डीएनडी फ्लाईवे पर नहीं लगेगा टोल, आदेश बरकरार

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने पर रोक बरकरार रहेगी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर निजी कंपनी की याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से डीएनडी से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को मिल रही राहत बरकरार रहेगी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निजी कंपनी के डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने से रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि निजी कंपनी एनटीबीसीएल को दिल्ली-नोएडा डीएनडी फ्लाईवे पर चलने वाले वाहनों सो टोल वसूलने का ठेका देना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने निजी फर्म को टोल वसूलने का ठेका देने के लिए नोएडा प्राधिकरण को भी फटकार लगाई और कहा कि इससे अनुचित लाभ हुआ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने साल 2016 में डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने पर रोक लगाई थी, जिससे डीएनडी से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि टोल वसूलना जारी रखने की कोई वजह नहीं है। हम टोल वसूलने के समझौते को अवैध मानते हैं। इसने निजी फर्म एनटीबीसीएल को टोल संग्रह सौंपने के लिए नोएडा प्राधिकरण की खिंचाई की, जिसके पास टोल वसूलने का कोई पूर्व अनुभव नहीं था।'

उच्च न्यायालय ने साल 2016 में लगाई थी टोल वसूलने पर रोक–पीठ ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण ने एनटीबीसीएल को शुल्क एकत्र करने (टोल वसूलने) की शक्तियां सौंपकर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है और इससे आम जनता को सैकडों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2016 में फैसला सुनाया था कि 9.2 किलोमीटर लंबे, आठ लेन वाले दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे का उपयोग करने वालों से अब से कोई टोल नहीं लिया जाएगा। यह आदेश उच्च न्यायालय ने फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका पर दिया था। 2012 में दायर जनहित याचिका में नोएडा टोल ब्रिज कंपनी द्वारा टोल वसूलने को चुनौती दी गई थी। 100 पन्नों के फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा था, जो शुल्क लगाया जा रहा है, वह यूपी औद्योगिक विकास अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है

मंदसौर जिले में 1 से बदलेगा बैंकों का समय

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लीड बैंक मैनेजर श्री मोदी द्वारा बताया गया कि, मंदसौर जिले में बैंकों का समय बदला गया है। सभी राष्ट्रीयकृत बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा जिला सहकारी बैंक का बैंकिंग लेनदेन समय 1 जनवरी 2025 से 10:00 बजे से 4:00 बजे तक रहेगा। साथ ही सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया मंडी शाखा तथा भारतीय स्टेट बैंक मंडी शाखा का समय पूर्व अनुसार 12:00 बजे से 7:00 बजे तक रहेगा। सभी प्राइवेट बैंक का समय पूर्व अनुसार 11:00 से 6:00 बजे तक रहेगा।

विधि महाविद्यालय की छात्रा ने रचा इतिहास...

छत्तीसगढ़ सिविल जज की परीक्षा में हासिल की 11वीं रैंक

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर की छात्रा शारदा

शर्मा पिता देवेन्द्र शर्मा ने छत्तीसगढ़ सिविल जज परीक्षा वर्ष 2024 में 11वीं रैंक हासिल कर महाविद्यालय व परिवार नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के जावरा की रहने वाली शारदा शर्मा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जावरा नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर से प्राप्त की और विधि स्नातक (बीएएलएलबी) की पढ़ाई जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मन्दसौर से पूरी की। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस सफलता ने न केवल परिवार बल्कि महाविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शारदा शर्मा स्व. श्री प्रहलाद शर्मा (पूर्व व्याख्याता - आदर्श म. गां. उ. मा. विद्यालय) की सुपौत्री है। शारदा शर्मा का कहना है कि

यह सफलता परमपिता परमात्मा एवं गुरुदेव की कृपा तथा मेरे दादाजी - दादीजी माता-पिता के शुभाशीर्वाद एवं परिवारजन की शुभकामनाएं तथा सहयोग और ला सक्सेस प्वाइंट कोचिंग सेंटर की मेरी कोचिंग शिक्षिका श्रीमती रुचिका देवड़ा के अविस्मरणीय मार्गदर्शन और मेरे अटूट विश्वास व परिश्रम का परिणाम है। सिविल जज बनकर मैं न्याय के माध्यम से समाज की सेवा करना चाहती हूं। शारदा शर्मा ने दिखा दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शारदा शर्मा की मार्गदर्शिका ला सक्सेस पॉइंट कोचिंग सेंटर की कोचिंग शिक्षिका श्रीमती डॉ. रुचि कुंवर देवड़ा द्वारा सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस पर दी बधाई

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा, सुरक्षा, बंधुत्व' के ध्येय वाक्य के साथ देश की रक्षा के लिए समर्पित मां भारती के वीर सपूतों को नमन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सपूतों पर राष्ट्र को गर्व है।

शौर्य यात्रा–शुक्रवार को मंदसौर शहर में बजरंग दल की शौर्य यात्रा निकली। जिसमें बड़ी संख्या में बजरंगी यूनिफार्म में शहर की सड़कों पर निकले।

उठावना एवं पुष्पांजलि

हमारी पुत्रवधू एवं डॉक्टर अरुण मूंदड़ा की धर्मपत्नी तथा डॉ. गर्वित व सीए दर्शित की पूज्य माताजी व महेश, अनिल, संजय, सुनील, गोपाल की भाभीजी व पंकज, गोविंद की बड़ी मम्मी, एडवोकेट श्रीमती गायत्रीदेवी जी मुंदड़ा (पूर्व पार्षद) का देहांत गुरुवार को हो गया है। जिनका उठावना एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम शनिवार, 21 दिसंबर 2024 को दोपहर 2.30 बजे श्री रामेश्वरम माहेश्वरी मांगलिक भवन (अजय टाकीज रोड) , पिपलियामंडी पर रखा गया है।

*** शोकाकुल ***
सोहनलाल, जानकीलाल, रामकिशन, रामस्वरूप एवं मुंदड़ा परिवार, पिपलियामंडी जिला मंदसौर (मप्र)

✻ उठावना ✻

नन्दकिशोर राठौर के सुपुत्र व

राहुल राठौर के बड़े भाई श्री अभीजीत राठौर (कालू भैया) का आकस्मिक दु:खद स्वर्गवास दिनांक 19 दिसम्बर 2024 को हो गया हैं। जिनका उठावना दिनांक 21 दिसम्बर, 2024, शनिवार को दोप 12.15 बजे निज निवास शीतलामाता वाली गली, खटीक मोहल्ला, बालागंज, मन्दसौर पर रखा गया है।

*** शोकाकुल ***
नन्दकिशोर राठौर, राहुल राठौर व राठौर परिवार मंदसौर

भामसं का श्रमिक संपर्क अभियान संपन्न

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश निर्देशानुसार दिनांक 1 दिसम्बर से दिसम्बर तक विभाग प्रमुख गोपाल जामलिया, जिले के अध्यक्ष राकेश शर्मा, जिला मंत्री ललित पाल, उपाध्यक्ष प्रदीप झा, एवं गोपाल व्यास के द्वारा विभिन्न टोलियां बनाई गई मंदसौर नगर में संदीप शक्तावत, सुरतराम नागर, गायत्री बैरागी, जानकीलाल धाकड़, दिनेश पंवार सीतामऊमें अरूण शर्मा, राहुल धाकड़, प्रशान्तरव, जितेन्द्र शर्मा, लालसिंह मल्हारगढ़ में राम चौहान, दशरथ पाटीदार, सत्यनारायण पाटीदार, पवन पाटीदार गरोठ में जगदीश सुनवानिया, ओमप्रकाश शर्मा, महेंद्र मोड., दीपक गुजराती, रणजीत खिची की टोलियां बनाकर दैनिक मजदूरी, हाथ ठेला चलाने वाले, हम्माली का कार्य करने वाले एवं मकान निर्माण एवं सड़क निर्माण में कार्य करने वाले एवं विभागों में आउटसोर्सिंग पर कार्य करने वाले श्रमिकों से संपर्क अभियान किया गया। जिसमें श्रमिकों ने अपनी समस्याएं जैसे प्रतिदिन कार्य नहीं मिलना, मजदूरी कम प्राप्त होना, कार्य के दौरान दुर्घटना होने पर कोई सहायता नहीं मिलना, दुर्घटना के पश्चात कार्य पर नहीं जाने पर कोई आर्थिक सहायता की व्यवस्था नहीं होना आदि समस्याओं से संगठन के पदाधिकारियों को अवगत कराया। एवं संगठन से अपेक्षा की गई की न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन 900 रू. का शासन से विधेयक पास कराकर श्रमिकों को दिलाई जाय। जिससे हमारा जीवन स्तर में सुधार हो सके। संपर्क कार्य में भारतीय मजदूर संघ के परामर्शदाता श्रवण कुमार त्रिपाठी, अशोक रामावत, भूपेश पांडे, एवं अनिल श्रोत्रिय का सहयोग प्राप्त हुआ उक्त जानकारी जिला मंत्री ललित पाल द्वारा दी गई।

एमपी में सभी कांग्रेस विधायकों ने छोड़ी सैलरी, बोले...

भाजपा विधायकों के क्षेत्रों में हो रहे काम, हमारे में नहीं

भोपाल, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों ने राज्य सरकार पर विकास कार्यों में भेदभाव करने का आरोप लगाया. साथ ही पार्टी विधायकों ने विरोधस्वरूप तय किया है कि वे बतौर विधायक मिलने वाला वेतन अब नहीं लेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधायक दल के इस निर्णय की सूचना सदन को देते हुए पटल पर इसकी प्रति रखी. प्रदेश में ऐसी स्थिति पहली बार निर्मित हुई है, जब संपूर्ण विपक्ष द्वारा इस तरह का निर्णय लिया गया हो।

विपक्ष के सदस्यों के साथ भेदभाव का आरोप– शून्यकाल में उमंग सिंघार ने सदन को बताया कि भाजपा सरकार विपक्ष के सदस्यों के साथ भेदभाव कर रही है. उनके क्षेत्र को न तो सड़क विकास के लिए राशि दी जा रही है और न ही स्कूल भवन, सामुदायिक भवन सहित अन्य विकास कार्यों के लिए कोई राशि मिल रही है।

कांग्रेस विधायकों के प्रस्ताव पर नहीं दिया ध्यान– इधर, भाजपा विधायकों के क्षेत्र में 15-15 करोड़ रुपये के काम कराए जा रहे हैं. इसके लिए एक-एक विधायक से बकायदा प्रस्ताव लिए गए. उनके क्षेत्र के विकास का रोडमैप बनवाया गया लेकिन कांग्रेस के विधायकों ने यदि कोई प्रस्ताव दिया भी तो उसे रद्दी की टोकरी में डाल दिया।

कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में जनहित के कार्य प्रभावित– इससे जनहित के काम प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए विधायक दल ने निर्णय लिया है कि बतौर विधायक मिलने वाला वेतन नहीं लेंगे. उन्होंने राज्य सरकार से यह मांग की कि इस राशि को कोषालय में जमा करके ही विकास कार्य करवा दिए जाएं। मध्य प्रदेश विधानसभा में विधायक को वेतन-भत्ता मिलाकर प्रतिमाह एक लाख 10 हजार रुपये मिलते हैं. विधानसभा की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार कांग्रेस के विधानसभा में 65 सदस्य हैं. इनमें से एक विधायक निर्मला सप्रे के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस इन्हें अपने साथ नहीं मानती है. ऐसे में इन सभी 64 विधायकों की कुल सैलरी 70.40 लाख रुपये आंकी जा रही है।

6 मार्च से शुरू होंगी छोटी...

पेज 1 से जारी

विद्यार्थियों से चर्चा कर लें। तीसरी व चौथी कक्षा में अतिरिक्त भाषा वैकल्पिक है। प्रथम भाषा के रूप में हिंदी, उर्दू या मराठी का चयन करने पर द्वितीय भाषा अंग्रेजी लेनी होगी। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं छठी व सातवीं कक्षा में अगर कोई विद्यार्थी प्रथम भाषा के रूप में उर्दू या मराठी का चयन करता है तो उसे द्वितीय भाषा के तौर पर अंग्रेजी और तृतीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा हिंदी और तृतीय भाषा के रूप में संस्कृत, उर्दू या मराठी भाषा का चयन करना अनिवार्य होगा।

चाइना लहसून के आयात को लेकर विधायक जैन ने विधानसभा में प्रमुखता से उठाई आवाज

मंदसौर, 20 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा सत्र के चौथे दिन क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विपिन जैन द्वारा देश और प्रदेश में चाइना लहसुन के आयात को लेकर प्रमुखता से मुद्दा उठाया है। ज्ञात हो कि बीते दिनों जावरा में चाइना लहसुन के दो ट्रकों जिनमे 12-12 टन लहसुन भरा था, को किसानों द्वारा पकड़ा गया गया है यह ट्रक अटारी बॉर्डर से बेंगलुरु जा रहा था मंदसौर और नीमच के कई किसानों ने इसका पीछा कर इसे जावरा में पकड़ा है और जांच पड़ताल में पता चला कि यह लहसुन अफगानिस्तान के रास्ते भारत में आई है जिसे लेकर मध्यप्रदेश के समूचे किसान वर्ग में आक्रोश पनप गया है और जगह-जगह किसानों द्वारा धरने, रेलिया, चक्काजाम, प्रदर्शन कर चाइना लहसुन के आयात पर प्रतिबंध को लेकर मांग उठाई जा रही है बीते माह में 15 से 20

रुपए हजार रुपए प्रति कुंटल के भाव से लहसुन के दाम नीचे गिर गए हैं और इसी प्रकार यदि चाइना की लहसुन भारत में आने लगी तो दाम और नीचे गिर जाएंगे किसानों द्वारा लहसुन का 40 से 50 हजार रु. प्रति कुंटल के भाव का बीज खरीद कर बोया गया है एक तरफ तो केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चाइना लहसुन के आयात को प्रतिबन्ध कर रखा है और इसके उपयोग से मानव शरीर पर हानिकारक प्रभाव पढ़ने के कारण भारत में यह बैन है बावजूद इसके अफगानिस्तान के रास्ते भारत में प्रवेश कर रही लहसुन पकड़े जाना विश्वास से परे हैं जावरा में किसानों द्वारा दो ट्रक लहसुन के पकड़े गए हैं पर उन पर कार्यवाही को लेकर प्रशासन मौन साधे हुए हैं कोई भी आला अधिकारी कुछ कहने से बच रहा है उनके पास बिल्टी और कस्टम ड्यूटी के कागज होने पर अधिकारी कुछ कार्यवाही होने से मना कर रहे हैं। जब भारत में चाइना कि लहसुन प्रतिबंध है तो फिर इतनी बड़ी मात्रा में या लहसुन कैसे आ रही है यह सरकार पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है अपने आप को किसान हितेषी कहने वाली सरकार के जन प्रतिनिधि और नेता भी कुछ कहने से बच रहे हैं विधायक विपिन जैन द्वारा विधानसभा के माध्यम से प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से यह मांग की गई है कि तुरंत चाइना लहसुन पर प्रतिबंध लगाकर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त हो सके।

न्यायालय तहसीलदार तहसील मंदसौर (नगर), जिला-मंदसौर (म.प्र.)

अ.वि.अ.प्रकरण क्रमांक 0004/अ-20(2)/2024-25 ईश्यू नम्बर-2068/री-1/2024

मंदसौर, दिनांक-11.12.2024

मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम .... आवेदक

विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन .... अनावेदक

✻✻ सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति ✻✻

सर्वसाधारण एवं जनता मंदसौर तहसील मंदसौर को यह सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मंडल रतलाम द्वारा ग्राम भून्याखेडी की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 183/1 एवं 110 में से रकबा कमश: 3.00 हेक्टेयर एवं 1.48 हेक्टेयर मद शासकीय क्रमश: चरागाह एवं गैर मुमकीन इ डब्ल्यू एस एवं कमजोर आय वर्ग के लिये आवासीय योजना हेतु आबंटित किये जाने की मांग गई है।

आवेदक के अतिरिक्त अन्य कोई प्रश्नाधीन भूमि का आरक्षण समान प्रयोजन के लिए अथवा प्रश्नाधीन भूमि का आबंटन चाहता है तो वह भी अपना दावा अपनी अर्हताओं के विवरण के साथ कंडिका 09 की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए इस कार्यालय को सार्वजनिक सूचना में उल्लेखित नियत अवधि के भीतर प्रस्तुत कर सकेगा ।

अत: आवेदक को इ डब्ल्यू एस एवं कमजोर आय वर्ग के लिये आवासीय योजना हेतु उक्त भूमि आबंटित किये जाने के विषय मे जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो वह इस प्रकरण मे नियत पेशी दिनांक 20/12/2024 तक स्वयं अथवा किसी वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। नियत समयावधिं के उपरान्त प्रस्तुत की गई किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा । सर्वसंबंधित सूचित हो ।

आज दिनांक 11/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से उक्त विज्ञप्ति जारी की गई।

तहसीलदार
तहसील मंदसौर (नगर)

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा किराया मात्र 8501/-

स्लीपर बस द्वारा

****** संपर्क करें ******

महेश परमार 7470433491, 9575987517

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in